RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से सरोकार

smarthalchal.com

# स्मार्ट हलचल

वर्ष-11 | अंक-17 | जयपुर, शुक्रवार, 17 जुलाई 2026 | मूल्य-4 रूपये

## आस्था का अटूट सैलाब

### भारी बारिश में भी लगभग 12 लाख लोग शामिल हुए

पुरी

तू न संभाले तो हमें कौन संभाले जगन्नाथ... महाप्रभु के रथ के विशाल पहियों के सामने खड़े होकर आंखों में आंसू लिए जब एक बुजुर्ग श्रद्धालु ने यह गुहार लगाई, तो वहां मौजूद हर शख्स का दिल भर आया। यह केवल एक पंक्ति नहीं, बल्कि उस परम सत्ता के प्रति उस अटूट समर्पण की गूंज है, जो हर संकट से उबारने का हौसला देती है। पुरी की प्रसिद्ध रथ यात्रा के दौरान इस बार श्रद्धा, उत्साह और एक अप्रत्याशित हादसे का मिला-जुला रूप देखने को मिला। रथयात्रा के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई है। शाम 5 बजे पहांडी रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए अचानक लोग रथों के पास जाने लगे। यात्रा रूट पर मौजूद वॉलेंटियर लोगों को पीछे हटा रहे थे। तभी भीड़ में धक्का-मुक्की होने लगी। इससे अफरा-तफरी मच गई। लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे।

रथयात्रा शुरू होने के समय पुरी में तेज बारिश हो रही थी। इसके बावजूद लगभग 12 लाख से ज्यादा लोग यात्रा रूट पर मौजूद थे। सांस लेने में तकलीफ के बाद कई लोगों को हॉस्पिटल पहुंचाया गया।

मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक रथ यात्रा का आयोजन शांतिपूर्ण, व्यवस्थित रहा। भगदड़ जैसी कोई अव्यवस्था नहीं हुई। हालांकि भीड़ के कारण एक व्यक्ति की मौत हुई, कारणों का पता लगाया जा रहा है।

इधर, शाम करीब 7.30 बजे भगवान जगन्नाथ का रथ आगे बढ़ा, कुछ ही मीटर चलने के बाद पहले दिन की यात्रा रोक दी गई। रथयात्रा कल सुबह 9.30 बजे दोबारा शुरू होगी और गुंडीचा मंदिर तक जाएगी।

#### तीनों में से कोई रथ गुंडीचा मंदिर नहीं पहुंच सका

'पहांडी' रस्मों में देरी के कारण तीनों में से कोई भी रथ श्री गुंडिचा मंदिर नहीं पहुंच पाया। भगवान बलभद्र का 'तालध्वज' रथ, जो शाम 5.10 बजे चलना शुरू हुआ था, ग्रैंड रोड पर लगभग 700 मीटर की दूरी तय करने के बाद 'मार्केट चौक' पर रुक गया। देवी सुभद्रा का 'दर्पदलन' रथ लगभग 400 मीटर की दूरी तय करने के बाद 'मरीचीकोट चौक' पर रुक गया, जबकि भगवान जगन्नाथ का 'नंदीघोष' रथ केवल कुछ गज ही खींचा जा सका और 'सिंहद्वार' के पास ही रोक दिया गया।

### नीट-यूजी 2026 का रिजल्ट जारी

## 11.21 लाख स्टूडेंट्स पास, पंजाब-हरियाणा के दो छात्रों ने किया टॉप

नई दिल्ली

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने गुरुवार देर रात नीट-यूजी 2026 का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस साल करीब 20 लाख स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 11.21 लाख स्टूडेंट्स मेडिकल, डेंटल, AYUSH और अन्य मेडिकल कोर्स में एडमिशन के लिए क्वालिफाई हुए हैं। पंजाब के आर्यन गुप्ता और हरियाणा के पांशुल बंसल ने 720 में से 715 अंक हासिल कर ऑल इंडिया टॉप किया। परीक्षा में 19 स्टूडेंट्स ने 700 से ज्यादा, जबकि 138 उम्मीदवारों ने 690 से अधिक अंक हासिल किए।

टॉप स्कोरर्स में 93% से ज्यादा स्टूडेंट्स ने पहली बार परीक्षा दी थी। 99% टॉप रैंकर्स की उम्र 17 से 19 साल के बीच रही। क्वालिफाई करने वाले कुल उम्मीदवारों में 58% से ज्यादा छात्राएं और 55.1% छात्र हैं।

पेपर लीक के कारण 3 मई को हुई नीट-यूजी 2026 की परीक्षा रद्द हो गई थी। इसके बाद NTA ने 21 जून को दोबारा परीक्षा कराई। देश और विदेश के 551 शहरों में 5,440 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा 13 भाषाओं में हुई थी।

राजस्थान के 2 स्टूडेंट भी टॉप-10 में शामिल है। उपलक्ष्य गोयल ने 714 नंबर के साथ तीसरी रैंक और गौरव सिंह ने 712 नंबर के साथ 9वीं रैंक हासिल की है। परीक्षा में सफल स्टूडेंटस में 58% से ज्यादा छात्राएं हैं, जबकि 55.1% छात्र हैं।

## जयपुर के डॉक्टर से 62 लाख ठगे, 2 आरोपी गिरफ्तार

**जयपुर।** जयपुर के डॉक्टर से 62 लाख रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का साइबर क्राइम पुलिस ने खुलासा किया है और 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने शेयर मार्केट और IPO में निवेश के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच देकर रुपए ठगे थे। गिरोह ने फर्जी कंपनी बनाकर देशभर में 50 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की और उस रकम को दूसरे बैंक खातों में ट्रांसफर कर लिया। गिरफ्तार आरोपी देवेंद्र शर्मा और निखिल लूथरा टेरापल्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर हैं और मूल रूप से दिल्ली के नजफगढ़ के रहने वाले हैं।

## टीएमसी की राज्यसभा सदस्य कोयल मल्लिक का इस्तीफा

**नई दिल्ली।** तृणमूल की राज्यसभा सदस्य रुक्मिणी कोयल मल्लिक ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार मल्लिक ने राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंपा।

मल्लिक को टीएमसी ने विगत अप्रैल में राज्यसभा में नामित किया था। उनका इस्तीफा ऐसे समय में सामने आया, जब एक दिन पहले तृणमूल कांग्रेस के विधायक और ममता के करीबी सहयोगी मदन मित्रा ने ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल के बागी खेमे का दामन थाम लिया था।

## मानसून सत्र में चढ़ावा चोरी, पेपर लीक मुद्दों पर सरकार को घेरेगी कांग्रेस

नई दिल्ली

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने से पहले बुधवार को कांग्रेस संसदीय दल की रणनीतिक बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता सीपीपी चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने की। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित संसदीय दल के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में आगामी सत्र के लिए विपक्ष के एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने एक्स पर लिखा चढ़ावा चोरी, आस्था के साथ धोखा, पेपरलीक और शिक्षा प्रणाली का क्षरण, संस्थागत कब्जा, राजनीतिक दलों को तोडना, भ्रष्टाचार के आरोप, महंगाई, विदेश नीति की विफलताएं, एथेनॉल मिश्रण का दबाव, वनों की अंधाधुंध कटाई, एससी, एसटी, ओबीसी व अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर हमले जैसे मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी मानसून सत्र में मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा करेगी।

इन गंभीर चिंताओं पर बैठक में विस्तार से चर्चा हुई और पार्टी ने तय किया कि संसद में इन मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश व राज्यसभा सांसद सैयद नासिर हुसैन ने पत्रकार वार्ता में कहा बैठक में उन मुद्दों पर चर्चा हुई जिन्हें पार्टी संसद में उठाएगी। सरकार जिन विधेयकों को लाने की कोशिश में है, उनसे निपटने की रणनीति पर भी विचार किया गया।

## 9वीं में तीसरी भाषा का बोझ न डालें: सुप्रीम कोर्ट

### सीबीएसई की थ्री लैंग्वेज पॉलिसी पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि सीबीएसई को 9वीं से थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू नहीं करनी चाहिए। 9वीं कक्षा की पढ़ाई पहले से मुश्किल है, ऐसे में तीसरी भाषा को शामिल करने की क्या जरूरत है। कोर्ट ने कहा कि इससे स्टूडेंट्स का मानसिक तनाव बढ़ सकता है। भारत सरकार से कहिए कि ऐसा न करें। जस्टिस बीवी नागरथना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि तीसरी भाषा को क्लास 5 या 6 में ही शुरू कर दिया जाना चाहिए, ताकि छात्र इसके साथ अधिक प्रभावी ढंग से तालमेल बिठा सकें।

दरअसल, बेंच तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मद्रास हाईकोर्ट के राज्य के हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय बनाने के आदेश को चुनौती दी गई थी। तमिलनाडु सरकार JNV में लागू थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी के पक्ष में नहीं है।

#### कोर्ट बोला- तीसरी भाषा की पढ़ाई 9वीं में बंद हो

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि तीसरी भाषा को पढ़ाना 6वीं क्लास में शुरू करना चाहिए और 9वीं में इसे बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाओं का दबाव कक्षा 8 से ही शुरू हो जाता है।

आगे उन्होंने अपने स्कूल के दिनों के बारे में बताते हुए कहा कि जब मैं स्कूल में थी तब 8वीं के बच्चों को 10वीं की चीजें पढ़ाई जाती थीं। उस वक्त ऐसी हालत थी तो आप समझ सकते हैं आज बच्चों पर कितना बोझ होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के नवोदय विद्यालय शुरू करने के आदेश पर तमिलनाडु सरकार से कहा कि आपके यहां नवोदय विद्यालय होने चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि केंद्र सरकार इसका पूरा खर्च उठाएगी, आपको सिर्फ जमीन उपलब्ध करानी है। यह रवैया न रखिए।

लेकिन तमिलनाडु सरकार के अनुरोध के बाद अदालत ने मामले को स्थगित कर दिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को होगी।

## होर्मुज में भारतीय नाविकों की तैनाती पर रोक, सरकार ने आदेश जारी किए

नई दिल्ली

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा जोखिम को देखते हुए भारत ने अगले आदेश तक होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) की नई तैनाती पर रोक लगा दी है।

यह आदेश जहाज मालिकों, जहाज प्रबंधन कंपनियों और नाविकों की भर्ती करने वाली रिक्रूटमेंट एंड प्लेसमेंट सर्विस लाइसेंस कंपनियों पर लागू होगा।

सरकार ने सभी समुद्री कंपनियों को अरब की खाड़ी, होर्मुज स्ट्रेट और आसपास के समुद्री इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा गया है कि वे नौवहन संबंधी सभी चेतावनियों और सुरक्षा सलाह पर लगातार नजर रखें और इंटरनेशनल शिप एंड पोर्ट फैसिलिटी सिक्योरिटी कोड का पूरी तरह पालन करें।

सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब इसी हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास हुए ईरानी हमलों में दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई। अमेरिका-ईरान संघर्ष के बाद इस समुद्री मार्ग पर हमलों का खतरा बढ़ गया है।

## सरकारी स्कूल में ऑफिस की छत का गिरा प्लास्टर

डूंगरपुर

जिले के वरदा थाना क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय मारगिया महूड़ा में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। विद्यालय कार्यालय की छत का प्लास्टर अचानक भरभराकर नीचे गिर जाने से वहां मौजूद दो शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। स्कूल स्टाफ ने मलबे को हटाकर दोनों घायल शिक्षकों को बाहर निकाला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे की है। स्कूल के कार्यालय में शिक्षिका शिल्पा रोत और शिक्षक राजकुमार बुनकर शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्यों का निपटारा कर रहे थे।

इसी दौरान छत का प्लास्टर अचानक टूटकर उनके ऊपर आ गिरा, जिससे दोनों मलबे के नीचे दब गए और गंभीर रूप से चोटिल हो गए। हादसे में शिक्षिका शिल्पा कुमारी के पैर और कंधे में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि शिक्षक राजकुमार बुनकर के सिर और गर्दन पर गहरी चोट लगी है।

### सीमावर्ती जिलों में अवैध फंडिंग पर इनकम टैक्स

## 150 करोड़ से ज्यादा की लैंड डील की रजिस्ट्रियां जब्त

**जैसलमेर।** राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में अवैध फंडिंग, बेनामी संपत्तियों और ब्लैक मनी पर इनकम टैक्स विभाग ने कार्रवाई की है। गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के बाद आयकर विभाग की 'इंटेलिजेंस एंड क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन' विंग ने श्रीगंगानगर और जैसलमेर के रजिस्ट्रार कार्यालयों में छापेमारी की।

इस दौरान टीम ने करीब 150 करोड़ रुपए से ज्यादा के संदिग्ध भूमि सौदों का रिकॉर्ड जब्त किया है। कार्रवाई से पूरे सीमावर्ती इलाके के बिल्डरों, निवेशकों और प्रॉपर्टी डीलरों में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार, जैसलमेर में हुई कार्रवाई में जमीन की रजिस्ट्री के दौरान कई खामियां सामने आई हैं। इसमें चौंकाने वाली बात है कि 170 लैंड डील के डॉक्युमेंट्स में पैन ही नहीं थे। इन रजिस्ट्रियों में 2 लाख से लेकर 50 लाख तक का कैश लेनदेन होने की आशंका है।

## 100 से अधिक वैज्ञानिकों के इस्तीफों से हिला इसरो

### गगनयान सहित राष्ट्रीय महत्व के मिशनों से जुड़े वैज्ञानिकों के इस्तीफों ने बढ़ाई सरकार की चिंता

बेंगलुरु

इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) से पिछले 10 महीनों में 100 से ज्यादा वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों ने या तो इस्तीफा दे दिया है या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली है। नौकरी छोड़ने वाले वैज्ञानिकों में गगनयान और दूसरे अहम मिशनों से जुड़े वैज्ञानिक भी शामिल हैं।

इसके बाद अंतरिक्ष विभाग ने 14 जुलाई को नया निर्देश जारी किए हैं। नौकरी छोड़ने की प्रक्रिया अब सख्त की जाएगी। इस मामले में केंद्रीय विज्ञान और तकनीकी राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि ISRO में लोग आते-जाते रहते हैं।

इस्तीफा देने वालों में वरिष्ठ वैज्ञानिक विक्टर जोसेफ टी भी शामिल हैं। वे LVM3 प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। यही लॉन्च व्हीकल गगनयान मिशन में इस्तेमाल किया जाएगा। सरकारी निर्देश में कहा गया है कि इस्तीफों और VRS के मामलों में तेजी आने से गगनयान और दूसरे राष्ट्रीय महत्व के प्रोजेक्ट्स पर असर पड़ रहा है। नौकरी छोड़ने के आवेदनों पर अब अंतिम फैसला अंतरिक्ष विभाग करेगा। पहले ISRO केंद्रों के निदेशकों और प्रमुखों को इस्तीफे और VRS स्वीकार करने का अधिकार दिया गया था।

#### स्टार्टअप्स में जा रहे वैज्ञानिक

ISRO छोड़ने वाले कुछ वैज्ञानिक निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप्स से जुड़ गए हैं। 2020 में केंद्र सरकार द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने और 2023 में भारतीय अंतरिक्ष नीति लागू होने के बाद इस क्षेत्र में तेजी से स्टार्टअप्स बढ़े हैं।

फिलहाल देश में 400 से ज्यादा पंजीकृत स्पेस स्टार्टअप हैं। इनमें करीब 500 मिलियन डॉलर का निवेश आया है। पिक्सेल, ध्रुवा स्पेस, स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस और बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस जैसी कंपनियां इस क्षेत्र में आगे हैं।

इस बीच ISRO के पूर्व चेयरमैन डॉ. सोमनाथ एस, चेन्नई की स्पेस स्टार्टअप कंपनी 'अग्निकुल कॉसमॉस' केबोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल हुए हैं। सोमनाथ चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग और भारत की पहली सोलर ऑब्ज़र्वेटरी 'आदित्य-L1' की लॉन्च शामिल थे।

इस्तीफों से ISRO को हाल के मिशनों में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। ISRO का 'वर्कहॉर्स' माना जाने वाला PSLV एक साल के भीतर लगातार दो मिशनों में असफल रहा।

पहला- जनवरी में EOS-N1 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह और व्यावसायिक पेलोड लेकर उड़ान भरने वाला PSLV-C62 तीसरे चरण के अंत में आई गड़बड़ी के कारण तय रास्ते से भटक गया था।

दूसरा- मई 2024 में PSLV-C61/EOS-09 मिशन भी असफल रहा था। उड़ान के करीब 203 सेकेंड बाद तीसरे चरण में चेंबर प्रेशर अचानक गिर गया, जिससे रॉकेट 529 किलोमीटर की सन-सिंक्रोनस कक्षा तक नहीं पहुंच सका और मिशन समाप्त करना पड़ा। इस दौरान रडार सैटेलाइट भी नष्ट हो गया।

### पंचायत-निकाय चुनाव मामले में हाईकोर्ट सख्त

## 20 जुलाई तक शेड्यूल पेश करें, काम नहीं होता तो मना कर दीजिए

जयपुर

राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में पंचायत व निकाय चुनाव कराने के जुड़े मामले में 20 जुलाई तक चुनाव शेड्यूल अदालत में पेश करने को कहा है। अदालत ने कहा राज्य सरकार और आयोग आपस में तय कर अदालत में जानकारी दें की आरक्षण को लेकर आयोग कब तक अपनी रिपोर्ट देगा। इसके अलावा राज्य सरकार कब तक लॉटरी निकालेगी और उसके बाद आयोग चुनाव की तारीख घोषित करेगा। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश गिरिराज देवंदा और संयम लोढ़ा की याचिका में राज्य सरकार की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि आगामी सुनवाई को सभी संबंधित अधिकारी अदालत से जुड़ेंगे। सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में राज्य निर्वाचन आयुक्त और ओबीसी आयोग राजनीतिक के सचिव-सलाहकार वीसी के जरिए अदालत में हाजिर हुए।

अदालत ने चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह को कहा पहले भी कोर्ट की ओर से तय तारीख गुजरने के बाद आयोग ने कार्यक्रम जारी किया था। क्या आप चाहते हैं कि हम आपके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई आरंभ करें। आपसे काम नहीं हो रहा तो हम हाईकोर्ट जज से भी यह कार्य करवा सकते हैं। वहीं निर्वाचन आयोग की ओर से अधिवक्ता अमित कुडी ने शपथ पत्र पेश कर कहा कि हमें ओबीसी, एससी, एसटी व महिला आरक्षण को लेकर सरकार से वर्गीकरण मिल जाता है तो हम दो दिन में चुनाव प्रक्रिया आरंभ करने की स्थिति में हैं। अदालत ने ओबीसी आयोग को लेकर कहा राज्य सरकार ने मई, 2025 में आयोग का 3 माह के लिए गठन किया था तो उन्होंने रिपोर्ट क्यों नहीं दी। इसके साथ ही अदालत ने 20 जुलाई को चुनाव शेड्यूल पेश करने को कहा है।

## मथुरा में 2.90 करोड़ की चोरी का खुलासा, गुजराती परिवार को ठगा

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा पुलिस ने 4 माह पहले गुजरात के एक परिवार से हुई 2 करोड़ 90 लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का पर्दाफाश किया है। जैत थाना पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 2 करोड़ रुपये नकद और 60 लाख रुपये से अधिक की ज्वैलरी बरामद की है। गांधीनगर निवासी राकेश और मानव प्रजापति अपनी संपत्ति बेचकर वृंदावन में रहने आए थे। उन्होंने यह रकम एक फ्लैट में रखी थी, जहां उनकी मुलाकात गेस्ट हाउस संचालक आलोक और राजन से हुई। आरोपियों ने उन्हें आश्रम बनवाने का झांसा देकर मौका पाकर उनके फ्लैट से पूरी रकम पार कर दी। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि गहन छानबीन के बाद पुलिस ने राजन, आलोक, प्रेम सागर और हीरेन नामक चारों आरोपियों को दबोच लिया। इसमें प्रेम सागर और हीरेन गुजरात के ही हैं। पुलिस ने चोरी के 2 करोड़ रुपये कैश, 60 लाख से अधिक की ज्वेलरी, मोबाइल फोन और घड़ी भी बरामद की है।

## महोबा में दरिंदगी : युवक के हाथ-पैर काटे, भाजपा नेता पर आरोप

महोबा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ सुभाष नगर में 21 वर्षीय युवक जयवेंद्र सिंह पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर उसके दोनों हाथ और एक पैर काट दिए गए। गंभीर रूप से घायल जयवेंद्र को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है, जहाँ उसकी हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि जयवेंद्र सिंह मंगलवार रात बाइक से चंदेल पेट्रोल पंप जा रहा था, तभी पेट्रोल पंप से पहले घात लगाए बैठे करीब आधा दर्जन हमलावरों ने उस पर कुल्हाड़ी और अन्य धारदार हथियारों से निर्ममता से हमला किया। हमलावरों ने सरेआम युवक के दोनों हाथ और एक पैर काट डाले और उसके शरीर पर कई वार कर अधमरा छोड़ फरार हो गए। इस वीभत्स घटना के दौरान कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। राहगीरों की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुँची पीआरवी टीम ने घायल को जिला अस्पताल पहुँचाया। जिला अस्पताल के चिकित्साधिकारी डॉ. शिशुपाल ने बताया कि युवक की नाजुक हालत को देखकर तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। कटे हुए अंगों को भी सुरक्षित रूप से मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, ताकि प्रत्यारोपण की संभावनाओं का परीक्षण हो सके। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। घायल युवक के पिता राजा बाबू सिंह ने बयान में लोकल भाजपा नेता शिव प्रताप सिंह परमार और उसके साथियों पर हमले का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस ने कहा है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और सभी पहलुओं पर साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

## असम राइफल्स, सेना, बीएसएफ ने पुलिस के साथ चलाया उग्रवादियों के खिलाफ अभियान

इंफाल (एजेंसी)।, मणिपुर में असम राइफल्स ने भारतीय सेना, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त सर्च और सैनिटाइजेशन ऑपरेशन चलाया। यह अभियान मंगलवार से उखरूल जिले के टीएम कासोम इलाके में चलाया गया। असम राइफल्स के मुताबिक यह संयुक्त अभियान हाल ही में राष्ट्रीय राजमार्ग-202 पर शांगशाक के पास नुंगशांग क्षेत्र में राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा किए गए घात लगाकर हमले के बाद शुरू किया गया। सुरक्षा बलों का उद्देश्य पूरे इलाके को सुरक्षित बनाना, संदिग्ध गतिविधियों को रोकना और उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अभियान में असम राइफल्स, भारतीय सेना, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस ने आपसी तालमेल के साथ इलाके की गहन तलाशी ली और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए व्यापक सैनिटाइजेशन अभियान चलाया। सुरक्षा एजेंसियां लगातार इस क्षेत्र में निगरानी कर रहे हैं ताकि भविष्य में किसी भी तरह की राष्ट्रविरोधी गतिविधि को रोका जा सके। इससे पहले 30 जून को भी असम राइफल्स ने सिविल प्रशासन और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर मणिपुर के सीमावर्ती कामजोंग जिले में म्यांमार से आए विस्थापित नागरिकों की पहचान, सत्यापन और बायोमेट्रिक पंजीकरण के लिए एक संयुक्त अभियान चलाया था। रक्षा प्रवक्ता ने उस समय बताया था कि यह पहल सीमा प्रबंधन को मजबूत करने और म्यांमार से आए विस्थापित लोगों तक नियंत्रित और व्यवस्थित मानवीय सहायता पहुंचाने की दिशा में एक अहम कदम है। पूर्वी मणिपुर का कामजोंग जिला म्यांमार के साथ बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। जिला प्रशासन के निर्देशों के तहत चलाए गए उस अभियान में 40 अधिकारियों और कर्मियों की संयुक्त टीम शामिल थी।

## सुप्रीम कोर्ट से चारा घोटाला में राहत मिलने पर लालू यादव बोले- हां, मैं खुश हूं

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर खुशी जाहिर की। अपने आवास से बाहर निकलने पर समर्थकों ने लालू यादव का जोरदार स्वागत किया और उनके साथ सेल्फी ली। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में लालू यादव ने कहा कि हां, मैं खुश हूं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव को राहत देते हुए उनकी जमानत रद्द करने और सजा निलंबन के आदेश को समाप्त करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के देवघर कोषागार से अवैध निकासी से जुड़े मामले में झारखंड हाईकोर्ट द्वारा दी गई राहत को बरकरार रखा। चारा घोटाला मामले में हाईकोर्ट ने लालू प्रसाद यादव को जमानत देते हुए अंतिम फैसला आने तक उनकी सजा निलंबित रखी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट को उनकी लंबित आपराधिक अपील का निपटारा छह महीने के अंदर करने का निर्देश भी दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने मंगलवार को कहा था कि हाईकोर्ट के आदेश को करीब सात साल बीत चुके हैं, इसलिए इस स्तर पर उसमें हस्तक्षेप करने की जरुरत नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि 2018 से लंबित अपील पर अब शीघ्र सुनवाई होनी चाहिए। सीबीआई ने हाईकोर्ट के 12 जुलाई 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। सीबीआई का कहना था कि लालू प्रसाद यादव को इस आधार पर सजा निलंबन का लाभ दिया गया कि उन्होंने आधी सजा पूरी कर ली है, जबकि उसकी गणना सही नहीं थी।

# पंजाब कांग्रेस में घमासान को लेकर एक्शन मोड में आए राहुल गांधी

### विदेश यात्रा से लौटते ही खड़गे संग की अहम बैठक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** विदेश दौरे से लौटते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पंजाब कांग्रेस में जारी नेतृत्व संकट को लेकर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक कर राज्य में बढ़ते संगठनात्मक विवाद और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे।

सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस में चल रही गुटबाजी और असंतोष को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने राज्य प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दिल्ली तलब किया है। बघेल बुधवार को कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात कर पंजाब के राजनीतिक हालात और विभिन्न नेताओं से हुई बातचीत की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी राज्य के सभी प्रमुख नेताओं की राय सुनने के पक्षधर हैं और विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में एकजुटता कायम करना चाहते हैं। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि आंतरिक मतभेदों और गुटबाजी के साथ चुनाव मैदान में उतरना कांग्रेस के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए विवाद को जल्द सुलझाने की कोशिश की जा रही है।

दरअसल, पंजाब कांग्रेस में असंतोष का केंद्र अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बनाए रखने वाला फैसला बताया जा रहा है। इस निर्णय का पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा और विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने विरोध किया है। इन नेताओं का मानना है कि चुनाव से पहले संगठनात्मक बदलाव जरूरी है।

#### भूपेश बघेल ने सौंपी रिपोर्ट

इसी बीच भूपेश बघेल ने पिछले कुछ दिनों में पंजाब का दौरा कर पार्टी के विभिन्न गुटों और वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की तथा संगठन की जमीनी स्थिति का आकलन किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट कांग्रेस नेतृत्व को सौंप दी है और अब दिल्ली में विस्तृत जानकारी देंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि भूपेश बघेल की रिपोर्ट और राहुल गांधी-खड़गे की चर्चा के आधार पर पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व और संगठन को लेकर आगे की रणनीति तय

की जाएगी। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के लिए राज्य इकाई में एकजुटता कायम रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता मानी जा रही है।

## राम मंदिर दान विवाद : भेंट वापसी की तैयारी, ट्रस्ट में बदलाव और जांच जारी

अयोध्या (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर में दान को लेकर उठ रहे सवालों के बीच उन श्रद्धालुओं की भेंट सामग्री वापस करने की तैयारी शुरू की है, जिन्होंने प्रबंधन पर असंतोष जाहिर किया था। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का कहना है कि श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान सर्वोपरि है और इसकारण शिकायत दर्ज कराने वालों को उनकी भेंट लौटाने पर विचार हो रहा है। यह कदम तब उठाया गया है जब कई दानदाताओं ने दान रसीद न मिलने और भेंट सामग्री के रखरखाव में पारदर्शिता की कमी के आरोप लगाए थे। इधर, मंदिर में दान से जुड़ी कथित अनियमितताओं का मामला गंभीरता से जांच के दायरे में है। करीब तीन करोड़ रुपये के कथित गबन के आरोपों की जांच राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहा है। मामले की संवेदनशीलता को देखकर सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। एसआईटी विभिन्न दस्तावेजों और संबंधित पक्षों से पूछताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। इन विवादों के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के भीतर कई अहम प्रशासनिक बदलाव भी हुए हैं। पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा अपने पदों से इस्तीफा दे चुके हैं। साथ ही, मंदिर प्रबंधन को अधिक पेशेवर और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से पहली बार मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। ट्रस्ट का मानना है कि नए प्रशासनिक ढांचे और पारदर्शी व्यवस्था से श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक मजबूत होगा। अब सभी की निगाहें एसआईटी जांच के परिणामों और प्रस्तावित सुधारों पर टिकी हैं।

## अपनों की बगावत और कांग्रेस के चक्रव्यूह में फंसीं दीदी

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर मचे घमासान ने ममता बनर्जी को एक ऐसे चक्रव्यूह में फंसा दिया है, जिससे निकलना फिलहाल नामुमकिन लग रहा है। 21 जुलाई के ऐतिहासिक मोड़ पर ममता बनर्जी को दो अलग-अलग कोनों से दो ऐसे ऑफर मिले हैं, जो उनकी राजनीतिक साख को दांव पर लगाते हैं। पहला, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी के बागी गुट ने ममता बनर्जी को अपनी अलग रैली में शामिल होने का न्योता भेजा है और उन्हें मार्गदर्शक का दर्जा दिया है। राजनीति में मार्गदर्शक मंडल का मतलब अमूमन सक्रिय राजनीति से विदाई माना जाता है। यानी बागी नेता ममता को सम्मान तो दे रहे हैं, लेकिन उनकी लीडरशिप को खारिज कर चुके हैं। दूसरा कांग्रेस ने सीधे उनके राजनीतिक वजूद पर चोट की है। शुभांकर सरकार ने साफ कर दिया कि कांग्रेस का मंच खुला है, लेकिन ममता को यह मानना होगा कि कांग्रेस का साथ छोड़ना उनकी भूल थी।

बता दें कि 21 जुलाई 1993 को यूथ कांग्रेस की रैली से जुड़ा मामला है, जिसमें पुलिस फायरिंग में कथित तौर पर 13 लोगों की मौत हो गई थी। खास बात यह है कि इस रैली की अगुवाई ममता बनर्जी खुद कर रही थीं। उन्होंने दिसंबर 1997 में कांग्रेस का साथ छोड़कर अपनी अलग पार्टी तृणमूल कांग्रेस बनाई थी, और तब से टीएमसी इस दिन को बड़े पैमाने पर रैलियों के साथ मनाती आ रही है, जबकि कांग्रेस भी इस दौरान कुछ कार्यक्रम करती रही है। वर्तमान स्थिति में, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला तृणमूल का बागी गुट एस्प्लेनेड में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास अपना अलग शहीद दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा। दूसरी ओर, पुलिस ने ममता के नेतृत्व वाले गुट को विक्टोरिया हाउस के सामने कार्यक्रम आयोजित करने की पारंपरिक अनुमति नहीं दी है, और यह मामला अब अदालत में लंबित है। बागी गुट ने भी ममता बनर्जी को मार्गदर्शक के रूप में अपनी रैली में शामिल होने का निमंत्रण दिया है, जिससे इस दिन की राजनीतिक गहमागहमी और बढ़ गई है।

## वांगचुक के अनशन को समाप्त करने लगाई जनहित याचिका

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के दिल्ली के जंतर-मंतर पर 18 दिनों से चल रहे अनशन को समाप्त कराने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में अदालत से अपील की गई है कि सोनम वांगचुक को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की जाए और उनकी जान बचाने के लिए उन्हें जबरन खाना खिलाकर उनका अनशन खत्म कराया जाए।

याचिकाकर्ता राकेश कुमार सैनी, जो एक एक्टिविस्ट के साथ ही वकील हैं, ने यह कदम वांगचुक के तेजी से बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए उठाया है। उन्होंने अदालत से केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की है कि वांगचुक को अस्पताल ले जाया जाए और उन्हें दबाव डालकर पोषक तत्व, विटामिन और खनिज तरल के रूप में दिए जाएं, जो मानव शरीर के जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के मंच पर नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र

प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से अनशन पर बैठे हैं। वकील सैनी ने अपनी याचिका में चिंता व्यक्त की है कि यदि सोनम वांगचुक अनशन के दौरान मर जाते हैं, तो यह देश और दुनिया के लिए एक अत्यंत शर्मनाक बात होगी। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह वांगचुक के साथ किसी खतरनाक अपराधी, आतंकवादी या देश के गद्दार जैसा व्यवहार कर रही है और उन्हें एक मशहूर सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता की चिंता नहीं है। सैनी ने जोर देकर कहा कि सरकार कम से कम इतना तो कर सकती है कि उन्हें उचित मेडिकल सहायता दी जाए, भले ही वह जबरन ही क्यों न हो, ताकि उनकी जान बचाई जा सके।यह महत्वपूर्ण है कि सोनम वांगचुक के इस अनशन को लेकर सरकार और सीजेपी के प्रतिनिधियों के बीच अभी तक किसी तरह की बातचीत या मध्यस्थता शुरू नहीं हुई है। हालांकि, देश के विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने अब वांगचुक तक पहुंचना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी सहित कई दलों के नेता जंतर-मंतर पर वांगचुक से मिलने पहुंचे हैं। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल जैसे प्रमुख नेताओं ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए भी सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील की है, जिससे इस मुद्दे की गंभीरता और राजनीतिक संवेदनशीलता और बढ़ गई है। याचिका पर अदालत का फैसला और सरकार की अगली प्रतिक्रिया अब सबकी निगाह में होगी।

## संजय राउत : हनुमान चालीसा के लिए कोई शर्त नहीं, महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष एकजुट

नागपुर(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने हनुमान चालीसा पढ़ने या मंदिर जाने को लेकर किसी शर्त की बात को सिरे से खारिज कर दिया है। यह बयान उन्होंने एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात पर अपनी प्रतिक्रिया देकर दिया। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने कहा कि जयंत पाटिल की मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई है, लेकिन मंदिर जाने को लेकर मेरी कोई कंडीशन नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हनुमान चालीसा पढ़ने में भला क्या शर्त हो सकती है? राउत ने बताया कि 18 तारीख को उद्धव ठाकरे नागपुर आएंगे और वे सब मिलकर मंदिर में दर्शन करने वाले है। यदि बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं, तब मंदिर के बाहर बने मंच से उद्धव ठाकरे उन्हें संबोधित कर सकते है। इसी क्रम में, उद्धव ठाकरे ने महिला आरक्षण बिल पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अगर सरकार यह बिल फिर लाती है, तब पूरा विपक्ष एकजुट होकर इसका विरोध करेगा। ठाकरे ने जानकारी दी कि उन्होंने बिल में सुधार के लिए अपनी बातें रखी हैं और यदि उनकी बात मानी जाती है, तभी वे उस पर चर्चा हो सकती है। उद्धव ठाकरे ने सुप्रिया सुले से बातचीत के सवाल पर कहा कि वह खुलकर अपनी बात कहने वाली नेता हैं। वहीं, कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने भी राजनीतिक गलियारों में चल रही अटकलों पर अपनी बात रखी। शरद पवार के भाजपा में शामिल होने की संभावना पर दलवई ने दृढ़ता से कहा कि मुझे नहीं लगता कि कुछ लोग जा सकते हैं, लेकिन शरद पवार बिल्कुल भी नहीं जाएंगे। राम मंदिर चढ़ावा मामले पर दलवई ने जगद्गुरु शंकराचार्य के बयान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने सुना है कि शंकराचार्य जी ने कहा है कि इससे क्या होगा? कुछ नहीं होगा। यह राम मंदिर नहीं बल्कि आरएसएस और भाजपा का दफ्तर है। इसीलिए वे अभी तक वहां नहीं गए हैं।

# भारतीय मूल के अनिल मेनन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना

### आठ महीने चलेगा वैज्ञानिकों का मिशन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन मंगलवार को कजाकिस्तान से सोयूज एमएस-29 अंतरिक्ष यान के जरिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफलतापूर्वक रवाना हो गए हैं। उनके साथ दो रूसी अंतरिक्ष यात्री, प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना भी इस आठ महीने लंबे मिशन का हिस्सा हैं। यह अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार रात 8 बजकर 17 मिनट पर बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपित हुआ और पृथ्वी के दो चक्कर लगाने के बाद, रात 11 बजकर 56 मिनट पर स्वत- स्टेशन के प्रिचाल मॉड्यूल से जुड़ गया। यह अनिल मेनन की पहली अंतरिक्ष यात्रा है, जबकि उनके रूसी सहयात्री दूसरी बार अंतरिक्ष मिशन पर गए हैं।

प्रक्षेपण के दौरान अनिल मेनन की अंतरिक्ष यात्री पत्नी अन्ना विल्हेम समेत उनके परिवार के सदस्य और नासा के प्रशासक जेरेड आइज़ैकमैन बैकोनूर कॉस्मोड्रोम में मौजूद थे, जिन्होंने इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनकर उनका उत्साह बढ़ाया। अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद, ये तीनों यात्री नासा के अंतरिक्ष यात्रियों (जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट, और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री सर्गेई कुद-स्वेर्चकोव,

सर्गेई मिकाएव और आंद्रेई फेद्यायेव के साथ मिलकर मिशन को आगे बढ़ाएंगे। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य लगभग आठ महीने तक अंतरिक्ष में रहकर वैज्ञानिक अनुसंधान करना और नई प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करना है, जिसका लक्ष्य मानव अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाना और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाने वाली तकनीकों का विकास करना है। तीनों की अप्रैल 2027 में पृथ्वी पर वापसी निर्धारित है। रूस की अंतर्राष्ट्रीय मानवीय सहयोग एजेंसी की प्रमुख येलेना रेमिज़ोवा ने बताया कि इस रॉकेट के साथ भारतीय स्कूली बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकृतियां भी अंतरिक्ष में भेजी जा रही हैं, जो एक प्रतीकात्मक और प्रेरक कदम है। अनिल मेनन का जन्म अमेरिका के मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय मूल के प्रवासी माता-पिता के घर हुआ था। वह पेशे से इमरजेंसी मेडिसिन फिजिशियन हैं और अमेरिकी स्पेस फोर्स में कर्नल के पद पर कार्यरत हैं। अमेरिकी वायुसेना में अपनी सेवा के दौरान उन्होंने ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम के तहत अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चे पर काम किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन के साथ जुड़कर माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों को चिकित्सा सहायता प्रदान की है। उन्होंने रोटरी एम्बेसडोरियल स्कॉलर के रूप में भारत में एक वर्ष बिताया था, जहाँ उन्होंने पोलियो टीकाकरण अभियान का अध्ययन और उसमें सहयोग किया।

# होर्मुज में बेकसूर भारतीयों पर हमले बर्दाश्त नहीं : भारत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** होर्मुज में अमेरिका और ईरान के बीच की जंग अब पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो चुकी है, और तेल के इस महत्वपूर्ण रास्ते से गुजरना अब सीधे मौत के मुंह में जाने जैसा हो गया है। इस दुश्मनी में सबसे ज्यादा बेकसूर भारतीय नाविक पिस रहे हैं, क्योंकि दुनिया भर के मर्चेंट नेवी वर्कफोर्स में करीब 10 से 17 प्रतिशत हिस्सेदारी अकेले भारतीयों की है। यही वजह है कि होर्मुज में जब भी कोई हमला होता है, तो वहां भारतीय जरूर फंस जाते हैं और अपनी जान गंवा बैठते हैं। हालांकि, अपने लोगों पर इस तरह की आंच आना भारत को कतई बर्दाश्त नहीं है। अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भारत ने जैसी सख्त चेतावनी हाल ही में ईरान को दी है, ठीक वैसे ही वह अमेरिका को भी खरी-खरी सुनाने से पीछे नहीं हटा था, जिससे भारत की स्वतंत्र और दृढ़ विदेश नीति स्पष्ट होती है।

किसी देश के राजनयिक को सार्वजनिक रूप से तलब करने का मतलब उस देश को सीधी और सख्त चेतावनी देना

होता है, और भारत ने इसी कूटनीतिक रास्ते का सहारा लिया। मंगलवार को जब ईरान की क्रूज मिसाइलों ने यूएई के दो तेल टैंकरों पर हमला किया और उसमें एक भारतीय नाविक की दुखद मौत हो गई, तो भारत सरकार ने बिना एक पल गंवाए एक्शन लिया। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में मौजूद ईरान के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन मोहम्मद जवाद होसैनी को तुरंत तलब कर लिया। यह मुलाकात कोई बंद कमरे की सामान्य बातचीत नहीं थी, बल्कि इसे जानबूझकर फुल पब्लिक व्यू में रखा गया। जब ईरानी राजनयिक विदेश मंत्रालय के दफ्तर पहुंचे तो वहां टीवी न्यूज कैमरों की भारी भीड़ मौजूद थी, जो भारत के गुस्से को सीधे तेहरान तक लाइव पहुंचा रही थी। विदेश मंत्रालय के पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान डिवीजन के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश ने होसैनी के सामने बेहद सख्त शब्दों में भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया और साफ कह दिया कि हमारे नाविकों पर इस तरह की बर्बरता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में 13 जुलाई को यूएई के दो तेल टैंकर 'मोम्बासा' और 'अल बहिया' ओमान की समुद्री सीमा के पास से बेहद शांति से गुजर रहे थे, तभी अचानक ईरान की तरफ से दागी गईं दो विनाशकारी क्रूज मिसाइलें इन जहाजों से आकर टकरा गईं। यह हमला इतना भीषण था कि मिसाइल लगते ही दोनों जहाजों में भयंकर आग लग गई और वे जलते हुए मलबे में तब्दील होने लगे। इस हमले में 'मोम्बासा' टैंकर पर सवार एक भारतीय नाविक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा आठ अन्य नाविक बुरी तरह झुलस गए, जिनमें छह भारतीय और दो यूक्रेन के नागरिक शामिल हैं। घायलों में से चार भारतीयों की हालत इतनी गंभीर है कि वे जिंदगी के लिए जंग लड़ रहे हैं।

# गडकरी की सलाह- आप चाहें तो 100 फीसद पेट्रोल ज्यादा दाम में खरीद लें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देशभर में ई20 यानी 20 फीसदी एथनॉल मिले हुए पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर जारी चर्चाओं और सोशल मीडिया पर फैल रही चिंताओं के बीच, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जो उपभोक्ता एथनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, वे पेट्रोल पंपों पर 100 फीसदी पेट्रोल भी खरीद सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें अधिक कीमत चुकानी होगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब ई20 ईंधन देश के लगभग हर फ्यूल स्टेशन पर उपलब्ध है और इसे लेकर वाहन मालिकों के मन में विभिन्न सवाल उठ रहे हैं। गडकरी इससे पहले भी कह चुके हैं कि एथनॉल मिले हुए ईंधन के चलते वाहन खराब होने की कोई समस्या सामने नहीं आई है, जिससे सरकार के एथनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम पर उनका भरोसा कायम है।

सोशल मीडिया पर ईंधन की गुणवत्ता को लेकर प्रसारित हो रहीं चिंताओं को दूर करने और ग्राहकों को आश्वस्त करने के लिए, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड - ने देश भर में अपने खुदरा पंपों पर ईंधन गुणवत्ता की जांच तेज कर दी है। इन कंपनियों ने ग्राहकों से अपील की है कि वे ईंधन गुणवत्ता से जुड़ी किसी भी शिकायत को सीधे पेट्रोल पंप या कंपनी के ग्राहक सेवा माध्यमों से दर्ज कराएं और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट पोस्टों पर भरोसा न करें। यह कदम सरकार और तेल कंपनियों की ओर से उपभोक्ताओं को ई20 ईंधन की सुरक्षा और गुणवत्ता के प्रति आश्वस्त करने का प्रयास है।

इस बीच, आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में इंजन रिसर्च लैबोरेटरी के परियोजना वैज्ञानिक ध्रुव राज करणा ने भी ई20 ईंधन को लेकर चल रही अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययन में यह सामने आया है कि ई20 से गाड़ियों के इंजन को नुकसान, जंग लगने या किसी अन्य तकनीकी समस्या होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। करणा ने यह भी स्पष्ट किया कि संस्थान के अध्ययनों में ई20 के कारण गाड़ियों के माइलेज में कोई खास कमी नहीं पाई गई है। उनके अनुसार, माइलेज में कोई भी बदलाव दरअसल ईंधन के बजाय गाड़ी चलाने की आदतों, सड़क की स्थिति और गाड़ी के रखरखाव से ज्यादा प्रभावित होता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, अब तक किए गए परीक्षणों में इंजन के टिकाऊपन या गाड़ी की रफ्तार और माइलेज पर ई20 ईंधन का कोई गलत असर नहीं देखा गया है, जो इस नई ईंधन नीति के प्रति वैज्ञानिक समर्थन को दर्शाता है।

# तिलस्वां महादेव धाम में मंदिर ट्रस्ट श्रद्धालुओं को देगा सावन से पूर्व विकास की नई सौगात

## गंगा माता मंदिर मार्ग पर शेड, पवित्र कुंड की सुरक्षा और परिसर सौंदर्यीकरण पर रहेगा विशेष फोकस

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** जिले के प्रसिद्ध आस्था केंद्र तिलस्वां महादेव धाम में आगामी सावन मास को देखते हुए मंदिर ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए विकास कार्यों की नई सौगात देने का निर्णय लिया है। मंदिर ट्रस्ट के सचिव मांगीलाल धाकड़ ने बताया कि सावन में प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालुओं की आमद को ध्यान में रखते हुए ट्रस्ट द्वारा मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में आवश्यक निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य शीघ्र शुरू किए जाएंगे, ताकि भक्तों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध हो सके। मंदिर ट्रस्ट द्वारा निर्णय लिया गया कि गंगा माता मंदिर मार्ग पर पुलिया के ऊपर डोम (शेड) का निर्माण कराया जाएगा, जिससे बरसात और तेज धूप के दौरान श्रद्धालुओं को राहत मिल सके। इसके साथ ही मंदिर परिसर स्थित पवित्र कुंड के चारों ओर सुरक्षा रेलिंग एवं सौंदर्यीकरण का कार्य भी कराया जाएगा, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित रूप से पूजा-अर्चना कर सकें। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रबंधन लगातार विकास कार्य करा रहा है। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया की मंदिर परिसर की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग और दर्शन व्यवस्था, आवागमन को सुगम बनाने के लिए मार्गों की मरम्मत पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं से सावन मास के दौरान मंदिर परिसर की स्वच्छता बनाए रखने, अनुशासन का पालन करने तथा धार्मिक गरिमा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रस्तावित विकास कार्य पूरे होने के बाद तिलस्वां महादेव धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को पहले से अधिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी और उनकी धार्मिक यात्रा अधिक सुखद एवं सुरक्षित बनेगी।

### आस्था का प्रमुख केंद्र है प्राचीन कुंड

मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन कुंड श्रद्धालुओं की विशेष आस्था का केंद्र है। मान्यता है कि यहां स्नान और भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि राजस्थान के विभिन्न जिलों के अलावा मध्यप्रदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं।

### पाराशर परिवार निभा रहा सेवा-पूजा की परंपरा

तिलस्वां महादेव मंदिर की नियमित सेवा-पूजा वर्षों से पाराशर परिवार द्वारा की जा रही है। प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और धार्मिक महत्व के कारण यह प्राचीन शिवधाम आज भी लाखों शिवभक्तों की अटूट आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। ट्रस्ट ने विश्वास जताया कि इस वर्ष सावन मास में श्रद्धालुओं की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में अधिक रहेगी और सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएंगी।

# खाखुलदेव मंदिर के पुजारी के साथ कथित मारपीट, अस्पताल में भर्ती; सामाजिक संगठनों में आक्रोश

स्मार्ट हलचल| मोड़ का निंबाहेड़ा

आसींद उपखंड क्षेत्र के बराना गांव स्थित खाखुलदेव मंदिर के पुजारी विष्णु मेघवंशी के साथ कथित रूप से मारपीट का मामला सामने आया है। घायल पुजारी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आसींद में भर्ती कराया गया है, जहां रेफर के लिए भीलवाड़ा भेज दिया है जहाँ उनका इलाज जारी है।

घायल पुजारी की पत्नी सीता देवी ने आसीन्द थाने में दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उनके पति प्रतिदिन की तरह सुबह मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए गए थे। उनके अनुसार, मंदिर परिसर में पहले से मौजूद कुछ लोगों ने विष्णु मेघवंशी के साथ जातिसूचक गालियां देते हुए कथित रूप से लाठी-डंडों व अन्य हथियारों से मारपीट की। उन्होंने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उनके पति को मंदिर परिसर से घसीटते हुए बाहर ले जाकर भी पीटा गया।

प्रार्थिया ने इस मामले में रामप्रसाद पिता गोर्वधन वैष्णव, गोविंद पिता रामप्रसाद वैष्णव, भगवान पिता रामप्रसाद वैष्णव, रतन पिता रामप्रसाद वैष्णव, शंभू पिता रूपा जाट एवं नौरत पिता रामप्रसाद वैष्णव सहित अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही सीता देवी ने आरोप लगाया कि इस पूरे घटनाक्रम का मुख्य साजिशकर्ता सम्पत जाट है, जिसने कथित रूप से लोगों को उकसाया। उनका दावा है कि इस संबंध में उनके पास सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध है।

घटना के बाद घायल विष्णु मेघवंशी को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आसींद पहुंचाया गया, जहां भीलवाड़ा रेफर किया गया जहां उनका उपचार जारी है।

इधर, घटना की जानकारी मिलते ही विभिन्न सामाजिक संगठनों ने आक्रोश व्यक्त किया है। कुछ संगठनों ने आशंका जताई है कि यह घटना अनुसूचित जाति समाज के लोगों को मंदिरों में पूजा-अर्चना से दूर करने की साजिश हो सकती है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वही आसींद थाना पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ एससीएसटी के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

# मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना में देवतालाब में श्रमदान

स्मार्ट हलचल| मांडलगढ़

नगरपालिका प्रशासन द्वारा पालिका क्षेत्र में दुर्ग स्थित देवतालाब की पाल पर मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत श्रमिको द्वारा श्रमदान कर तालाब के सौंदर्यीकरण को बढ़ावा प्रदान किया जा रहा है। अधिशासी अधिकारी देवीसिंह राठौड़ ने बताया कि योजनाअंर्तगत श्रमिको द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में आवश्यक कार्यो को पूरा करवाने के लिए श्रमिको द्वारा श्रमदान करवाकर कार्यो को गति प्रदान की जा रही है। सुबह 6 से दोपहर दो बजे तक श्रमिकों द्वारा कार्य किया जा रहा है। कार्यस्थल पर ठंडा पानी,मेडिकल किट,पर्याप्त छाया के पुख्ता प्रबंध किए गए है।

# 4 करोड़ के कॉलेज में सुविधाओं का इंतजार, छात्रों ने निकाला पैदल मार्च

## सड़क, डंपिंग यार्ड हटाने और मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर एसडीएम व ईओ को सौंपा तीन सूत्रीय ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

**मंगरोप।** राजकीय जनरल कॉलेज हमीरगढ़ में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर गुरुवार को विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद(एबीवीपी)के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया।छात्रों ने हमीरगढ़ बस स्टैंड से नगर पालिका कार्यालय तक शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकालकर अपनी मांगों को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया।इसके बाद विद्यार्थियों ने उपखंड अधिकारी झंवर लाल मित्तल एवं नगरपालिका अधिशासी अधिकारी भानुप्रताप सिंह को तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपकर जल्द समाधान की मांग की।एबीवीपी जिला संयोजक भावेश छिपा ने बताया कि कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को लंबे समय से विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने कॉलेज तक मुख्य मार्ग से पक्की सड़क निर्माण,कॉलेज के सामने स्थित कचरा डंपिंग यार्ड को अन्य स्थान पर शिफ्ट करने तथा कॉलेज में पेयजल,बिजली,पंखे सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग रखी।विद्यार्थियों ने बताया कि करीब 4 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित कॉलेज भवन बनने के बावजूद हमें कई मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है।कक्षाओं में पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं होने से कई बार छात्रों को फर्श पर बैठकर पढ़ाई करनी पड़ रही है।वहीं कॉलेज परिसर में चारदीवारी नहीं होने के कारण मवेशियों का प्रवेश बना रहता है,जिससे गंदगी और अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है।विद्यार्थियों ने प्रशासन से मांग की कि कॉलेज में जल्द से जल्द सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं,ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा,जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में एबीवीपी कार्यकर्ता,छात्र-छात्राएं सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों की मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

# उच्च माध्यमिक विद्यालय महुआ में कुल 11 अध्यापकों की कमी कैसे हो पढ़ाई

स्मार्ट हलचल| महुआ

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महुआ में आनन फानन में किये गए एक तरफा स्थानांतरण रिक्त पदों पर नये अध्यापक लगाना भूल गए। आज विद्यालय में प्रधानाचार्य सहित कुल 11 पद रिक्त है। विद्यार्थियों की कुल संख्या लगभग 650 से अधिक है। ऐसे में विद्यार्थियों का अध्ययन बिलकुल चौपट हो रहा है। हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, प्राध्यापक तथा अंग्रेजी, हिन्दी , गणित, विज्ञान, संस्कृत, के वरिष्ठ अध्यापक, लेवल द्वितीय अंग्रेजी अध्यापक के पद खाली हो गये हैं। इससे गाँव वालों में भारी आक्रोश है। गाँव वालों ने मिलकर सी बीइओ कार्यलय मांडलगढ़ में ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने वाले भाजपा मंडल अध्यक्ष रणवीर सिंह, कैलाश चन्द्र शर्मा, लोकेश सोनी, दिनेश जैन, कैलाश धाकड़, भीम आर्मी ब्लॉक अध्यक्ष मांडलगढ़ ओम प्रकाश खटीक एवं समस्त ग्रामवासी थे। सीबीइओ ने शीघ्र समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया।

# 'सफलता की पहली कहानी' या प्रचार की पहली कड़ी?

# टूटा पेड़ हटाने पर वाहवाही, पट्टों का इंतजार बरकरार

## पेड़ हटाने को बताया शिविर की बड़ी उपलब्धि, शहर में चर्चा—जनता को चाहिए पट्टे और समाधान, सिर्फ प्रेस नोट नहीं

स्मार्ट हलचल

**जहाजपुर।** नगर पालिका द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविर-2026 की पहली 'सफलता की कहानी' सामने आते ही शहर में नई चर्चा शुरू हो गई है। पालिका ने आशापुरा माताजी मंदिर के पास सड़क पर गिरे एक नीम के पेड़ को हटाने की कार्रवाई को शिविर की पहली बड़ी उपलब्धि बताते हुए प्रेस नोट जारी किया है। लेकिन आमजन सवाल उठा रहे हैं कि क्या नगर पालिका की नियमित जिम्मेदारी निभाना ही अब 'सफलता की कहानी' कहलाएगा?

नगरवासियों का कहना है कि सड़क पर गिरे पेड़ को हटाना पालिका का रोजमर्रा का दायित्व है। ऐसे कार्य को विशेष उपलब्धि बताकर प्रचारित किए जाने से यह चर्चा तेज हो गई है कि कहीं शिविर का फोकस वास्तविक जनसमस्याओं के समाधान से ज्यादा प्रचार पर तो नहीं है।

सबसे बड़ा सवाल पट्टों के वितरण को लेकर उठ रहा है। अधिशासी अधिकारी (ईओ) का पद लंबे समय तक खाली रहने के बाद भी अब तक किसी पात्र नागरिक को पट्टा जारी नहीं हो सका है। जबकि शहरी सेवा शिविर से लोगों को उम्मीद थी कि वर्षों से लंबित पट्टे, नामांतरण, सफाई, नालियां, सड़क, प्रकाश व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े मामलों का त्वरित निस्तारण होगा।

शहर में चर्चा है कि यदि शिविर वास्तव में 'त्वरित समाधान' के लिए आयोजित किया गया है तो उसकी सफलता का पैमाना ऐसे कार्य होने चाहिए जिनसे आमजन को सीधा लाभ मिले। केवल एक पेड़ हटाने की कार्रवाई को 'सफलता की पहली कहानी' बताना लोगों के बीच सवाल खड़े कर रहा है।

नगरवासियों का कहना है कि शहरी सेवा शिविर का उद्देश्य तभी सार्थक माना जाएगा, जब लंबित पट्टों का वितरण, नागरिक सुविधाओं का समयबद्ध समाधान और जनहित के महत्वपूर्ण कार्य धरातल पर दिखाई दें। फिलहाल शहर में यही चर्चा है कि पहली सफलता प्रेस नोट में दिखी है, अब लोगों को वास्तविक सफलता का इंतजार है।

# वृक्षारोपण व गौ सेवा में आमजन के सहयोग से मिलेगी सफलता -सीआई शर्मा

## गौ शाला में पुलिस प्रशासन व आमजन के समन्वय से हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल| काछोला

कस्बे के सामुदायिक द्वारिकाधीश गौ शाला में काछोला तहसीलदार आरटीएस शैतान सिंह मीणा, तहसीलदार कैलाश चंद्र मीणा के स्थानांतरण के अवसर पर नागरिक अभिनंदन एवं गौ माता की तस्वीर भेंट करके स्वागत किया गया एवं काछोला थाना प्रभारी सीआई नरेश कुमार शर्मा का थाना प्रभारी काछोला के रूप में पदभार ग्रहण करने पर नागरिक अभिनंदन एवं गौ माता की तस्वीर भेंट की गई निवर्तमान एएसआई इंदरराज मीणा का स्वागत किया साथ ही एक दर्जन से अधिक पौधों का पौधरोपण किया।

पौधरोपण कार्यक्रम में तहसीलदार शैतान सिंह मीणा ने कहा कि गौ शाला केवल गौ सेवा का केंद्र ही नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और जनजागरण की भी प्रेरणा स्थली है। तहसीलदार कैलाश चंद्र मीना ने कहा कि गौ संवर्धन वो प्रकृति संरक्षण को समाज की सामूहिक बताते हुए कहा कि वृक्षारोपण और गौ सेवा जैसे कार्य आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव है।काछोला थाना प्रभारी सीआई नरेश कुमार शर्मा ने कहा कि पुलिस, प्रशासन और आमजन के समन्वय से आयोजित सामाजिक एकता, जनभागीदारीऔर सेवा भाव को सुदृढ़ करते है।वही सीआई शर्मा ने सभी उपस्थित जनों द्वारा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण व गौ संरक्षण के अभियान से जोड़ने का आह्वान किया। सभी अतिथियों का स्वागत वंश प्रदीप सिंह सोलंकी,सचिव डॉ एन के सोनी,रमेश चंदे बसेर,मुरली मूंदड़ा,प्रीतम सोनी ने किया।

इस कार्यक्रम में पूर्व सरपंच कन्हैयालाल ओस्तवाल वृक्षारोपण एवं विदाई समारोह के कार्यक्रम की अध्यक्षता गौशाला के व्यवस्थापक वंश प्रदीप सिंह सोलंकी ने की।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के स्पॉन्सर शंकर लाल मुंदडा मौजूद थे।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच रामपाल बलाई, डॉ कैलाश चंद्र वैष्णव, डॉ राधेश्याम वैष्णव, पूर्व उपसरपंच रमेश चंद्र बसेर थे।

इस अवसर पर संदीप माहेश्वरी, अशोक कुमार काबरा, उमराव सिंह, राजेंद्र सिंह सोलंकी, शांतिलाल काबरा, नवरत्न लड्ढा, रामस्वरूप धाकड़, रामनिवास आचार्य, शिव मंत्री, अरविंद डागा, अभिषेक गगरानी, कैलाश छिपा, विजय राज सोनी, हेमेंद्र सिंह सोलंकी, रघुनन्दन सिंह सोलंकी, गोपाल मंत्री , पप्पू लाल धाकड़ कुलदीप धाकड़, मांगीलाल बलाई, आरिफ मिस्त्री, तौसीफ लोहार, गौशाला के कोषाध्यक्ष मुरली मनोहर मुंदडा अस्सिटेंट सेक्रेट्री प्रीतम सोनी, कमलेश आचार्य , लक्ष्मण मीणा देवीलाल धाकड़ आदि मौजूद थे।कार्यक्रम का संचालन गौ शाला के सचिव डॉ एन के सोनी ने किया।

# पुलिस की वर्दी के साथ शख्सियत, श्रवण कुमार विश्नोई को नम आंखों से कहा, अलविदा डियर

स्मार्ट हलचल| आसींद

पुलिस की वर्दी का नाम आते ही आंखों के सामने अनुशासन,कानून और सख्ती की तस्वीर उभरती है। लेकिन कभी-कभी यही खाकी किसी के लिए सुरक्षा का एहसास बन जाती है,किसी के दुख में सहारा बन जाती है और किसी परिवार के लिए अपने सदस्य जैसी हो जाती है। आसींद क्षेत्र में करीब 18 वर्षों तक अपनी सेवाएं देने वाले एएसआई श्रवण कुमार विश्नोई ऐसे ही पुलिस अधिकारी रहे,जिन्होंने खाकी को केवल नौकरी नहीं,बल्कि जनसेवा का माध्यम बनाया। श्रवण कुमार विश्नोई का गृह जिला जोधपुर स्थानांतरण के आदेश जैसे ही सामने आए,पूरे आसींद क्षेत्र में भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। विदाई के दिन ऐसा दृश्य देखने को मिला,जिसे लोगों ने अपने जीवन में शायद पहली बार देखा।सैकड़ों की संख्या में ग्राम ीण,व्यापारी,जनप्रतिनिधि,सामाजिक कार्यकर्ता,युवाओं से लेकर बुजुर्ग और महिलाएं तक उन्हें विदा करने थाने पर पहुंचीं। फूल-मालाओं से लदे श्रवण कुमार विश्नोई का जगह-जगह स्वागत हुआ।ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच जब विदाई का पल आया तो माहौल भावुक हो गया। कई लोगों की आंखें नम थीं,तो कई गले लगकर रो पड़े। हर कोई एक ही बात कह रहा थ 'ऐसे पुलिस अधिकारी किस्मत वालों को मिलते हैं।' ग्रामीणों का कहना था कि आसींद में किसी पुलिस अधिकारी को शायद पहली बार इतना आत्मीय,भव्य और भावनात्मक सम्मान मिला है। यह सिर्फ एक स्थानांतरण नहीं था,बल्कि उस इंसान को विदा करना था जिसने अपने व्यवहार,ईमानदारी और सेवा से लोगों के दिलों में स्थायी जगह बना ली। साल 2006 में जब जोधपुर की धरती से आए एक युवा ने आसींद थाने में कांस्टेबल के रूप में अपनी पहली ज्वाइनिंग दी थी,तब किसी ने नहीं सोचा था कि यही जवान आने वाले वर्षों में आसींद की पहचान बन जाएगा। समय बीतता गया,पद बदलते गए,लेकिन श्रवण कुमार विश्नोई का व्यवहार कभी नहीं बदला। उन्होंने हमेशा जनता को अपना परिवार समझा और हर व्यक्ति की समस्या को अपनी जिम्मेदारी मानकर समाधान का प्रयास किया।

अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई चर्चित और चुनौतीपूर्ण मामलों के खुलासे में अहम भूमिका निभाई। वर्ष 2006 के चर्चित मेमा हत्याकांड में अपराधियों तक पहुंचने के लिए दिन-रात मेहनत की। भगवान देवनारायण की जन्मस्थली

मालासेरी के पुजारियों की नृशंस हत्या के मामले में अपने मजबूत मुखबिर तंत्र और सूझबूझ के दम पर आरोपियों को चित्तौड़गढ़ क्षेत्र से गिरफ्तार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 2008 में सर्राफा व्यापारी के यहां हुई बड़ी लूट के मामले का खुलासा कर व्यापारियों का पुलिस पर विश्वास और मजबूत किया। सिर्फ अपराध नियंत्रण ही नहीं,बल्कि सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। वर्ष 2013 में जब आसींद सांप्रदायिक तनाव की चपेट में था, चारों तरफ हिन्दू मुस्लिम की चर्चा थी तब उन्होंने प्रशासन और दोनों समुदायों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर हालात सामान्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उस समय उनकी शांत,संयमित और संवेदनशील कार्यशैली की हर ओर सराहना हुई।

श्रवण कुमार विश्नोई ने कभी पुलिस की जिम्मेदारी को थाने की चारदीवारी तक सीमित नहीं रखा। वे गांव-गांव की चौपालों तक पहुंचे,लोगों को कानून की जानकारी दी,बाल विवाह,सामाजिक कुरीतियों और अपराधों के प्रति जागरूक किया। अवैध शराब और नशे के खिलाफ उन्होंने लगातार अभियान चलाए और युवाओं को नशे से दूर रहकर समाज निर्माण का संदेश दिया। यही कारण रहा कि लोग उन्हें केवल पुलिस अधिकारी नहीं,बल्कि समाज सुधारक के रूप में भी पहचानने लगे। साल 2020 में जब पूरा देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था और लोग अपने घरों में कैद थे,तब श्रवण कुमार विश्नोई दिन-रात सड़कों पर डटे रहे। जरूरतमंद परिवारों तक राशन पहुंचाना,बीमार और असहाय लोगों की मदद करना,प्रवासी मजदूरों को सहयोग देना और लोगों को सुरक्षित रखना उनकी प्राथमिकता बन गई। उनकी इसी निस्वार्थ सेवा से प्रभावित होकर कोरोना काल के बाद दौलतगढ़ क्षेत्र की जनता ने उनका ऐतिहासिक नागरिक अभिनंदन किया था, जिसकी चर्चा आज भी लोग गर्व से करते हैं।

उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए उन्हें ब्लॉक,जिला और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा अनेक बार सम्मानित किया गया। वर्ष 2025 में तत्कालीन भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव ने उन्हें राजस्थान पुलिस के प्रतिष्ठित 'सामुदायिक पुलिसिंग अवार्ड' से सम्मानित किया। यह सम्मान केवल एक पुरस्कार नहीं,बल्कि जनता और विभाग के बीच बनाए गए विश्वास की पहचान था। विदाई समारोह में मौजूद लोगों ने कहा कि श्रवण कुमार विश्नोई ने कभी किसी व्यक्ति के साथ पद या पहचान देखकर व्यवहार नहीं किया। गरीब हो या अमीर,किसान हो या व्यापारी,युवा हो या बुजुर्ग हर किसी को उन्होंने समान सम्मान दिया। यही वजह है कि आज उनकी विदाई पर पूरा आसींद परिवार की तरह भावुक दिखाई दिया। भावुक माहौल के बीच श्रवण कुमार विश्नोई ने भी कहा कि 'आसींद मेरे लिए सिर्फ पोस्टिंग नहीं रही,यह मेरी कर्मभूमि और दूसरा घर है। यहां के लोगों ने मुझे जो सम्मान,अपनापन और प्यार दिया है,उसे मैं जीवनभर नहीं भूल पाऊंगा।' आज श्रवण कुमार विश्नोई अपने गृह जिले जोधपुर में नई जिम्मेदारी निभाने जा रहे हैं, लेकिन आसींद की गलियों,चौपालों और लोगों के दिलों में उनकी पहचान हमेशा जिंदा रहेगी। खाकी पहनने वाले बहुत मिलेंगे,लेकिन जनता के दिलों में जगह बनाने वाले बहुत कम होते हैं।आसींद की जनता की ओर से श्रवण विश्नोई को एक संदेश दिया की 'श्रवण 18 वर्षों तक जिस ईमानदारी,संवेदनशीलता और समर्पण से कस्बे में सेवा की,उसके लिए पूरा आसींद हमेशा आपका ऋणी रहेगा। हमारी दुआ है कि आप जहां भी रहें सुरक्षित रहें,स्वस्थ रहें और अपनी इसी कार्यशैली से लोगों के दिल जीतते रहें।आसींद आपको कभी नहीं भूलेगा।

# शिक्षण संस्थानों में अग्नि सुरक्षा को लेकर अभाविप ने सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) भीलवाड़ा महानगर द्वारा शहर के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों में अग्नि सुरक्षा (फायर एनओसी) की स्थिति की जांच तथा बिना आवश्यक अनुमति एवं सुरक्षा मानकों के संचालित संस्थानों पर कार्रवाई की मांग को लेकर गुरुवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

अभाविप विभाग संयोजक, महानगर मंत्री कुणाल सिंह राणावत ने बताया की परिषद ने मांग रखी शहर के समस्त शिक्षण संस्थानों की फायर एनओसी एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं की व्यापक जांच कराई जाए तथा जिन संस्थानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है या जो अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इस दौरान महानगर सह मंत्री नमन जैन, भाग संयोजक राहुल माली एवं कृष्णा साहू, नगर मंत्री शेखर गुर्जर ,ममता आचार्य, सह मंत्री खुशबू कंवर, इकाई अध्यक्ष लविश जीनगर, इकाई सचिव विट्ठल शर्मा तथा कार्यकर्ता हिमांशु दाधीच कुलदीप सिंह सहित परिषद के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# आवासीय पट्टे पाकर खिले ग्रामीणों के चेहरे, वर्षों पुरानी समस्या का समाधान

स्मार्ट हलचल

**गंगापुर।** राज्य सरकार के निर्देशानुसार क्षेत्र की नांदशा (खालसा) ग्राम पंचायत मुख्यालय पर जन कल्याण योजना अंतर्गत ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन उपखण्ड अधिकारी विवेक गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।।शिविर में सबसे भावुक क्षण उस समय देखने को मिला जब ग्राम नांदशा निवासी रामलाल पिता घीसा भील जो वर्षों से अपने निवासरत मकान के आवासीय पट्टे के लिए प्रयासरत था जिसे उपखण्ड अधिकारी के आदेश पर आवासीय पट्टा स्वीकृत कर सौंपा गया।पट्टा पाकर रामलाल भावुक हो गया। शिविर में अन्य लाभार्थियों को भी आवासीय पट्टों का वितरण किया गया।शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत गतिविधियां भी आयोजित की गईं जिसके तहत महिला एवं बाल विकास विभाग ने अन्नप्राशन, गोदभराई एवं जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किये गये।पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को मंगला पशु बीमा पॉलिसियों का वितरण किया गया। राजस्व विभाग ने बंटवारे से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण कर पात्र लोगों को राहत

प्रदान की। चिकित्सा विभाग द्वारा मरीजो का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाईयां निशुल्क दिलाई गई।शिविर में एसडीएम विवेक गुर्जर ने शिविर में मौजूद ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना आसान होता है साथ ही ग्रामीणों की शिकायतों का निस्तारण भी मौके पर ही हो जाता है। शिविर में तहसीलदार विरेन्द्र सिंह, नायब तहसीलदार राधाकिशन विजयवर्गीय, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरोत्तम दाधीच, आयुर्वेद अधिकारी डॉ.सतीश शर्मा, विद्युत विभाग की कनिष्ठ अभियंता सोनल सचान, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. विपिन शर्मा सहित राजस्व निरीक्षक नरेन्द्र सिंह चौहान, किशन सिंह राणावत, पटवारी रमन नाथ योगी, सीएचओ वैदप्रकाश भट्ट, भरतमल गुर्जर, एएनएम पारस पुरोहित, डिंपल बैरवा, पीएम श्री विद्यालय झुमपूरा के संस्था प्रधान सत्यनारायण सिंह, पुर्व तहसीलदार शेषमल सुवालका, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष भैरूलाल गुर्जर (हदवा), प्रशासक प्रतिनिधि आर.एन. गुर्जर, उदयलाल सालवी, भैरूलाल गाडरी, ग्राम विकास अधिकारी सत्यनारायण चौधरी, पुष्कर लाल माली, महिला पर्यवेक्षक उमा क्षोत्रिय, आंगनबाड़ी कर्मचारी रेखा लोहार, बाली वैष्णव, मंजू पारिक, कांता लौहार, रेखा सालवी, यशोदा रेगर, ग्राम साथिन मंजू पारिक सहित कई कर्मचारी, मौतबीर व ग्रामीण मौजूद थे।

# हमीरगढ़ अस्पताल में एंडोस्कोप से निकला कान में फंसा मोती

**2 साल से कान दर्द से तड़प रहा था 7 साल का इंद्रजीत**

**निजी अस्पतालों में चलता रहा इलाज**

स्मार्ट हलचल

**मंगरोप।** मण्डपिया निवासी 7 वर्षीय इंद्रजीत पुत्र महेंद्र पिछले दो वर्षों से कान के दर्द की पीड़ा झेल रहा था।लंबे समय से परेशान परिजनों ने बच्चे का शहर सहित कई निजी अस्पतालों में उपचार करवाया,लेकिन लगातार इलाज और खर्च के बावजूद उसकी तकलीफ कम नहीं हुई।परिजनों के अनुसार,कई निजी अस्पतालों में चिकित्सकों ने कान में मैल होने की बात बताकर दवाइयां दीं,लेकिन समस्या जस की तस बनी रही।दो साल तक इलाज करवाने के दौरान परिवार पर आर्थिक बोझ भी बढ़ता गया और बच्चे को लगातार दर्द सहना पड़ा।

### एंडोस्कोपिक जांच में सामने आया असली कारण

समस्या का समाधान नहीं होने पर परिजन बच्चे को हमीरगढ़ उप जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे। यहां ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. मुकेश कुमावत ने आधुनिक एंडोस्कोपिक(दूरबीन) तकनीक से बच्चे के कान की बारीकी से जांच की। जांच के दौरान कान के अंदर एक माला का छोटा मोती फंसा हुआ पाया गया,जो लंबे समय से दर्द का कारण बना हुआ था।

डॉ.मुकेश कुमावत ने अत्यंत सावधानी और विशेषज्ञता के साथ एंडोस्कोपिक तकनीक की सहायता से कान में फंसे मोती को सफलतापूर्वक बाहर निकाल दिया।प्रक्रिया पूरी होते ही बच्चे को पिछले दो वर्षों से हो रही असहनीय पीड़ा से राहत मिल गई।

### परिजनों ने जताया आभार

सफल उपचार के बाद इंद्रजीत और उसके परिजनों के चेहरे पर खुशी लौट आई।परिजनों ने ईएनटी विशेषज्ञ डॉ.मुकेश कुमावत एवं उप जिला चिकित्सालय के पूरे स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आधुनिक जांच और सही उपचार से उनके बच्चे को लंबे समय बाद दर्द से मुक्ति मिली। यह मामला इस बात का उदाहरण है कि समय पर सही जांच और विशेषज्ञ उपचार मिलने से जटिल दिखने वाली समस्या का भी सरल समाधान संभव है।

रलायता में गहराया पेयजल संकट

# बंद पड़े जलदाय विभाग के कुओं से सप्लाई शुरू कराने की उठी मांग

### चंबल पाइप लाइन लीकेज से 25 दिन से पानी को तरसे ग्रामीण

स्मार्ट हलचल

फूलियाकलां उपखंड क्षेत्र के रलायता गांव में इन दिनों पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। चंबल पेयजल परियोजना की आपूर्ति बाधित होने और जलदाय विभाग की उदासीनता के चलते ग्रामीणों को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में जलदाय विभाग का वर्षों पुराना कुआं पर्याप्त पानी से भरा हुआ है तथा उससे पूरे गांव में पेयजल आपूर्ति के लिए पाइपलाइन भी बिछी हुई है, लेकिन विभाग द्वारा लंबे समय से इस जल स्रोत का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि पहले चंबल परियोजना से 8 से 10 दिन के अंतराल में पानी की आपूर्ति हो जाती थी, लेकिन वर्तमान में चंबल पाइपलाइन में लीकेज होने के कारण पानी सड़क पर बह रहा है और घरों तक पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पा रहा। स्थिति यह है कि पिछले 20 से 25 दिनों से नियमित जलापूर्ति नहीं हो सकी है, जिससे लोगों को पेयजल के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 183 सहित जलदाय विभाग के अधिकारियों को कई बार शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि विभागीय लापरवाही के कारण समस्या लगातार बनी हुई है।

ग्रामीणों ने मांग की है कि गांव में स्थित बंद पड़े जलदाय विभाग के कुएं की तकनीकी जांच कर उसे तत्काल चालू किया जाए, ताकि उपलब्ध स्थानीय जल स्रोत का उपयोग कर गांववासियों को राहत मिल सके। उनका कहना है कि जब गांव में पर्याप्त पानी और तैयार पाइपलाइन उपलब्ध है तो उसका उपयोग नहीं करना समझ से परे है।

ग्रामीण विनोद कुमार पंडा, गोपाल भील, रामलाल गुर्जर, खाना, भेरूलाल एवं किशनलाल सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने फूलियाकलां में आयोजित जनसुनवाई के दौरान स्थानीय विधायक डॉ. लालाराम बैरवा को भी मौखिक रूप से समस्या से अवगत कराया था, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई समाधान नहीं निकला।ग्रामीणों ने जलदाय विभाग से चंबल पाइपलाइन की लीकेज को शीघ्र ठीक कराने तथा बंद पड़े कुएं से तत्काल जलापूर्ति शुरू करने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीणों को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

# भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन ने किया भव्य स्वागत, 1000 महाप्रसाद पैकेट वितरित

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के पावन अवसर पर भीलवाड़ा सांसद एवं अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के संभागीय अध्यक्ष श्री दामोदर अग्रवाल के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन जिला भीलवाड़ा की तीनों इकाइयों द्वारा इस्कॉन मंदिर के तत्वावधान में निकाली गई भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा का पुष्प वर्षा एवं महाआरती के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच 1000 मिठाई के महाप्रसाद पैकेट भी वितरित किए गए।

अपने उद्बोधन में जिलाध्यक्ष रामेश्वर लाल काबरा ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा भारतीय संस्कृति, आस्था, सेवा और समरसता का प्रतीक है। फेडरेशन का उद्देश्य धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में एकता, सेवा भावना एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है।

मीडिया प्रभारी मनीष बंब रथ यात्रा के स्वागत के दौरान श्रद्धालुओं ने जय जगन्नाथ के उद्घोष के

साथ भगवान की आरती कर सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की।

युवा जिलाध्यक्ष अंकित सोमानी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस गरिमामय अवसर पर प्रदेश मंत्री कल्पेश चौधरी, जिलाध्यक्ष रामेश्वर लाल काबरा, संभागीय महिला अध्यक्ष मधु जाजू, संभागीय युवा अध्यक्ष देवेंद्र डाणी, युवा जिलाध्यक्ष अंकित सोमानी, जिला महामंत्री ललित अग्रवाल, , महिला जिलाध्यक्ष लीला राठी, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष ओ पी हिंगड, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण सोमानी, युवा जिला महामंत्री हर्षिल नागोरी, राम प्रकाश पोरवाल,अक्षय कोठारी, कैलाश अजमेरा, सुरेंद्र जैन, महेश खंडेलवाल, कमलेश खंडेलवाल, गणेश काबरा,संजय राठी, श्यामसुंदर सोमानी, राजेश पाटनी, गुणमाला अग्रवाल, सुनीता कटारिया, डी पी अग्रवाल, दिलीप हिंगड, विजय अग्रवाल, जतन हिंगड, सुनीता सोमानी, आभा सोमानी, चंदा जागेटिया, विजय विजयवर्गीय, सचिन काबरा, मितेश सोडाणी, ऋषभ पोरवाल, चेतन मानसिंहका, सुधीर अजमेरा, राहुल सोमानी, अरुण चेचानी इत्यादि सदस्य और पदाधिकारी मौजूद रहे।

# शाहपुरा को मिलेगी विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की नई सौगात

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेंद्र सिंह खींवसर की भीलवाड़ा यात्रा के दौरान शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री लालाराम बैरवा ने जिला चिकित्सालय, शाहपुरा में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण मांगें रखीं। उन्होंने क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय में सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा सेवाएं प्रारंभ करने तथा विशेष रूप से हृदय रोग विशेषज्ञ (कार्डियोलॉजिस्ट) की नियुक्ति करने का आग्रह किया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि विधायक श्री बैरवा ने जिला चिकित्सालय में लंबे समय से रिक्त अस्थि रोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट, मनोरोग विशेषज्ञ एवं दंत रोग विशेषज्ञ के पदों पर भी शीघ्र नियुक्तियां किए जाने की पुरजोर मांग रखते हुए कहा कि इन विशेषज्ञों की उपलब्धता से शाहपुरा एवं आसपास के क्षेत्र के हजारों मरीजों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सकेगा तथा उन्हें बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा।

माननीय चिकित्सा मंत्री श्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने विधायक द्वारा उठाई गई मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विषय पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई एवं समाधान का आश्वासन दिया। मंत्री के इस आश्वासन से क्षेत्रवासियों में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को लेकर नई उम्मीद जगी है।

क्षेत्र के नागरिकों ने विश्वास जताया कि मांगों के शीघ्र क्रियान्वयन से जिला चिकित्सालय, शाहपुरा की स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा आमजन को उच्च गुणवत्ता वाली विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर ही प्राप्त हो सकेगा।

# 20 भक्तों का जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

स्मार्ट हलचल

**लाडपुरा।** मिनी अमरनाथ गुप्तेश्वर महादेव कमेटी 20 सदस्यों का जत्था बाबा बर्फानी अमरनाथ की यात्रा के लिए बुधवार को रवाना हुआ। जिनको नगरवासियों ने माला, दुपट्टा पहनाकर यात्रा के लिए रवाना किया।

मिनी अमरनाथ ग्रुप के सदस्य प्रेमचंद सिंधी ने बताया 15 जुलाई को बाबा बर्फानी की यात्रा पर सर्व समाज गुप्तेश्वर महादेव की पूरी टीम भगवान भोलेनाथ की यात्रा पर 20 सदस्यों के साथ रवाना हुए है। सभी सदस्य प्रतिदिन गुप्तेश्वर महादेव के सुप्रभात को पैदल पूजा अर्चना के लिए नियमित जाते है। जत्थे में राजकुमार भंडारी, विनोद कोली, दुर्गेश साहू, राजकुमार सेन, तुलसी सिंधी, प्रकाश धोबी, मुकेश बेरवा, नीरज जोशी, प्रेमजी सिंधी सहित भक्तजन सम्मिलित है।

# आबकारी आयुक्त से मिला अफीम किसानों का प्रतिनिधि मंडल, अफीम डोडा नष्टीकरण पर सरकार से की मुआवजा की

स्मार्ट हलचल

**सवाईपुर।** भारतीय किसान संघ चित्तौड़ प्रांत सानिध्य में गुरुवार को एक प्रतिनिधि मंडल ने आबकारी आयुक्त उदयपुर राजस्थान नमित मेहता से मिला व मांग की अफीम किसानों के उत्पादित डोडा चुरा नष्टीकरण नहीं करवाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की राजस्थान व अन्य राज्यो में अफीम उत्पादक किसानों को भारत सरकार अफीम उत्पादन हेतु लाइसेंस जारी किया जाता है, अफीम तो भारत सरकार जीवन रक्षक दवाइया बनाने के लिए निर्धारित मापदंड के अनुसार खरीद लेती है पर उससे बचा हुआ डोडा चूरा 2016 से पूर्व राज्य सरकार द्वारा निर्धारित ठेका पद्धति पर 125 प्रति किलो खरीदा जाता था जिसे राज्य सरकार ने बंद कर दीया व किसानों का डोडा चुरा नस्टीकरण

का आदेश दिया हुआ है वह इस डोडा को जमींदोज किया जाता हैं जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान होता है अतः राज्य सरकार से अफीम उत्पादक किसानों की यह मांग है की अफीम किसानों को 2000/ प्रति किलो के हिसाब से डोडा चुरा का मुवावजा वजन के अनुसार दिया जाए या किसानों को यह अधिकार दिया जाए की वह अपने खेत में ही इसको डिस्प्ले /हकाई से नष्टीकरण कर दे व किसान स्व घोषित प्रमाण पत्र दे दे व किसानों के ऊपर इसका विश्वास किया जाए, जिससे भूमि की उर्वरता भी बढ़ेगी वह किसान का शोषण मुक्त भी होगा, बहुत से किसानों के कच्चे मकान होने की वजह से डोडा चुरा को सुरक्षित रखना मुश्किल होता है मवेशी खा जाते हैं या बारिश में भीग जाता है, ऐसे किसानों का मापदंड के अनुसार डोडा चूरा रखना संभव नहीं है, जब तक किसानों को राज्य सरकार डोडा चूरा का मुआवजा 2000/ प्रति किलो के हिसाब से ना दे जब तक नष्ट करने के आदेश को स्थगित किया जाए या फिर अफीम किसानों पर विश्वास करके अपने ही खेत में नष्टीकरण/ जमीदोज करने की अनुमति प्रदान करें, ताकि किसान का खेत भी उपजाऊ बनेगा, जैविक खेती का प्रसार भी बढ़ेगा, वह सभी अफीम उत्पादक किसान डोडा चुरा का मुआवजा के उपरांत नष्टीकरण के लिए तैयार है । इस दौरान भारतीय किसान संघ के प्रति निधि मंडल में प्रांत अफीम आयाम प्रमुख /अध्यक्ष बद्री लाल तेली, छगनलाल जाट संभाग उपाध्यक्ष उदयपुर, जिला मंत्री भरत कुमावत, तहसील अध्यक्ष दुर्गा शंकर वल्लभनगर उदयपुर, नर्बदा शंकर मेनारिया, तहसील अध्यक्ष कानोड़, मांगीलाल सिंघावत, जगदीश प्रसाद, मेनारिया पुरुषोत्तम रूपावत, अंबालाल कानावत उदयपुर आदि किसान प्रतिनिधि प्रतिनिधि मंडल में थे।

# हिंदुस्तान जिंक ने एक वर्ष में 23 अरब लीटर पानी किया रीसाइकल, दर बढ़कर हुई 49 प्रतिशत

**जल पुनर्चक्रण दर 49 प्रतिशत पहुंची, 3.32 गुना वाटर पॉजिटिव स्थिति बरकरार; आधुनिक तकनीकों से शुद्ध जल पर निर्भरता घटी**

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान लगभग 23 अरब लीटर पानी का पुनर्चक्रण (रीसाइकल) कर जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कंपनी की वार्षिक जल पुनर्चक्रण दर बढ़कर 49 प्रतिशत हो गई है, जबकि कुल जल उपयोग में भी कमी दर्ज की गई है। कंपनी ने लगातार 3.32 गुना वाटर पॉजिटिव स्थिति बनाए रखते हुए जल उपयोग दक्षता और ताजे पानी पर निर्भरता कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह सुधार कंपनी की उस लंबी अवधि की रणनीति की वजह से आया है, जिसके तहत वह एडवांस्ड वॉटर रिकवरी टेक्नोलॉजी, जीरो लिक्विड डिस्चार्ज सिस्टम जिसमें एफ्लुएंट ट्रीटमेंट और वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट शामिल हैं और ट्रीटेड वॉटर के अधिक उपयोग के माध्यम से अपने कामकाज में पानी की बचत को शामिल

कर रही है। इससे शुद्ध जल की खपत कम हुई है और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हुआ है। कंपनी के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा कि भविष्य का खनन प्राकृतिक संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग पर आधारित होगा। हिंदुस्तान जिंक अपने सभी संयंत्रों में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज सिस्टम, एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, रिवर्स ऑस्मोसिस और फिल्टर्ड टेलिंग्स जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर जल संरक्षण को बढ़ावा दे रही है। पिछले पांच वर्षों में कंपनी ने जल संकट वाले क्षेत्रों में 280 से अधिक जल संरक्षण कार्य कर 6.23 करोड़ क्यूबिक मीटर जल भंडारण क्षमता विकसित की है, जिससे समुदायों की दीर्घकालिक जल सुरक्षा को मजबूती मिली है। कंपनी की जिम्मेदार और सस्टेनेबल खनन के प्रति प्रतिबद्धता को 2025 में और मजबूती मिली, जब हिंदुस्तान जिंक इंटरनेशनल काउंसिल ऑन माइनिंग एंड मेटल्स में शामिल होने वाली भारत की पहली धातु एवं खनन कंपनी बनी। यह उपलब्धि कंपनी के वैश्विक स्तर के जिम्मेदार और सतत खनन मानकों के प्रति समर्पण को दर्शाती है।

# मातृभूमि और विद्यालय का कर्ज चुकाया: गोकुल शर्मा ने अपने जन्मदिन पर लाडपुरा स्कूल को दी 'सीसी क्रिकेट पिच' की अनोखी सौगात

**जिस विद्यालय से पढ़ाई की, उसी के बच्चों से किया वादा निभाया; अब एक ही खेल मैदान में एक साथ हो सकेगी 4 प्रमुख खेलों की तैयारी**

स्मार्ट हलचल

**लाडपुरा।** कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (मावि) लाडपुरा में उस समय पुरानी यादें और राष्ट्र निर्माण की नई सोच जीवंत हो उठी, जब विद्यालय के पूर्व छात्र गोकुल शर्मा ने अपनी मातृभूमि और पाठशाला के प्रति अनूठी कृतज्ञता प्रकट की। गोकुल शर्मा ने अपने जन्मदिवस के पावन अवसर पर विद्यालय के प्रति अपने पुराने संकल्प को पूरा करते हुए खेल मैदान में एक आधुनिक 'सीसी क्रिकेट पिच' का निर्माण करवाकर खेल प्रेमियों और छात्र-छात्राओं को समर्पित किया है। इस अभूतपूर्व सौगात से न केवल विद्यालय के बच्चों में खेल के प्रति भारी उत्साह और उल्लास देखा जा रहा है, बल्कि

समूचे लाडपुरा गांव में भी बेहद खुशी और हर्ष का माहौल व्याप्त है।

बच्चों से किया वादा निभाया,

### जन्मदिन पर दिया अमूल्य उपहार:

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोकुल शर्मा कुछ समय पूर्व अपने जन्मदिवस के अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लाडपुरा परिसर में आए थे। उस दौरान बच्चों से मुलाकात के समय वे तात्कालिक रूप से बच्चों की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए कोई विशेष संसाधन उपलब्ध नहीं करवा पाए थे। तब भावुक होकर उन्होंने विद्यार्थियों और खेल प्रेमियों से एक वादा किया था कि वे विद्यालय की खेल अधोसंरचना के सुधार के लिए अपनी सामर्थ्य के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रयास अवश्य करेंगे। अपने इसी संकल्प को धरातल पर उतारते हुए उन्होंने हाल ही में लाडपुरा खेल मैदान पर विधिवत रूप से पक्की सीसी क्रिकेट पिच का निर्माण करवा दिया, जिसने आज के मशीनी युग में युवाओं को मोबाइल छोड़कर मैदान की ओर लौटने के लिए प्रेरित किया है।

### एक ही खेल मैदान में 4 खेलों की एक साथ हो सकेगी वर्ल्ड क्लास तैयारी:

इस नवनिर्मित सीसी पिच की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके निर्माण के साथ ही लाडपुरा खेल मैदान का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। अब इस एक ही खेल परिसर का उपयोग बहुउद्देशीय (मल्टी-स्पोर्ट्स) रूप में किया जा सकेगा। इसके बाद अब ग्रामीण अंचल के प्रतिभावान खिलाड़ी एक ही मैदान में एक साथ 4 प्रमुख खेलों– क्रिकेट, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और बैडमिंटन की उत्कृष्ट तैयारी कर सकेंगे।

खेल संसाधनों के इस विस्तार से लाडपुरा और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले होनहार खिलाड़ियों को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में अपना हुनर दिखाने के लिए बेहतरीन मंच मिलेगा। इस सराहनीय और प्रेरणादायी कार्य के लिए स्कूल प्रशासन, ग्राम पंचायत और प्रबुद्ध ग्रामीणों ने भामाशाह गोकुल शर्मा का आभार व्यक्त कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

# बालाजी मंदिर से निकला महिलाओं का हुंकार मार्च

### गूंजे नारे-'तख्त बदल दो, ताज बदल दो, इस देश का राज बदल दो '

स्मार्ट हलचल

**जहाजपुर।** अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलनरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने गुरुवार को जहाजपुर में जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया। बालाजी मंदिर परिसर से सैकड़ों महिलाओं ने विशाल जुलूस निकाला, जो शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए उपखंड कार्यालय पहुंचा। पूरे रास्ते आंदोलनकारी महिलाओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

जुलूस के दौरान 'तख्त बदल दो, ताज बदल दो, इस देश का राज बदल दो ', 'हमारी मांगे पूरी करो' और 'आंगनबाड़ी का सम्मान दो' जैसे गगनभेदी नारों से शहर गूंज उठा। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए महिलाएं अपनी मांगों के

समर्थन में एकजुट नजर आई।

उपखंड कार्यालय पहुंचकर आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद महिलाओं ने सरकार को सद्बुद्धि देने की कामना करते हुए परिसर में बैठकर 'रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम...' रामधुन का सामूहिक गायन किया। आंदोलनकारियों का कहना था कि सरकार उनकी वर्षों पुरानी मांगों पर संवेदनशीलता से विचार करे और शीघ्र समाधान निकाले।

महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी 11 सूत्रीय मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन और अधिक उग्र किया जाएगा। उनका कहना था कि यह आंदोलन केवल मानदेय बढ़ाने का नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा, नियमितीकरण और अधिकारों की लड़ाई है।

कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक आंगनबाड़ी केंद्रों पर तालाबंदी और अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं मौजूद रहीं।

# 2,600 यात्रियों की क्षमता वाली देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन तैयार

## हाइड्रोजन की धुआं रहित शक्ति भारतीय रेलवे को और अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाने में सहायक है क्योंकि यह नई पीढ़ी की ट्रेनों को शक्ति प्रदान करती है

स्मार्ट हलचल|कोटा

भारतीय रेलवे देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के लिए तैयार है। यह ट्रेन सबसे स्वच्छ ईंधन हाइड्रोजन का उपयोग करके स्वयं बिजली उत्पन्न करती है। उपयोग के समय इससे लगभग शून्य उत्सर्जन होता है। यह उपलब्धि भारतीय रेलवे द्वारा ट्रेनों को चलाने के तरीके में हुए विकास का एक नया अध्याय है, जो कोयले और भाप से स्वच्छ, अधिक टिकाऊ ऊर्जा स्रोतों की ओर भारत की व्यापक यात्रा को दर्शाता है। पिछले 12 वर्षों में तीव्र विद्युतीकरण ने आयातित डीजल पर निर्भरता को काफी हद तक कम कर दिया है, जिससे स्वच्छ रेल परिवहन में अगली प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। आज, 99 प्रतिशत से अधिक ब्रॉड गेज मार्गों के विद्युतीकरण के साथ, भारतीय रेलवे इस दिशा में एक कदम और आगे बढ़ रहा है। ओवरहेड लाइनों से बिजली लेने वाली पारंपरिक इलेक्ट्रिक ट्रेनों के विपरीत, हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेनसेट हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच रासायनिक प्रतिक्रिया के माध्यम से ट्रेन के अंदर ही बिजली उत्पन्न करती है, जिसमें जल वाष्प एकमात्र उप-उत्पाद के रूप में उत्पन्न होता है।

एक तरह से देखा जाए तो, यह ट्रेन एक बार फिर से अपने ऊर्जा स्रोत का इस्तेमाल खुद करती है, जैसे कभी भाप और डीजल से चलने वाले इंजन करते थे। लेकिन कोयले या डीजल जैसे पारंपरिक ईंधन जलाने के बजाय, हाइड्रोजन वायुमंडल से ऑक्सीजन लेकर ट्रेन के अंदर बिजली पैदा करता है, जिससे दहन और बाहरी बिजली आपूर्ति पर निर्भरता खत्म हो जाती है। चूंकि स्वच्छ हाइड्रोजन तकनीक से ट्रेन के अंदर ही बिजली पैदा होती है, इसलिए यह ट्रेन रेल परिवहन का सबसे पर्यावरण-अनुकूल रूप है, जो सतत गतिशीलता के भविष्य को शक्ति प्रदान करती है। इस उन्नत प्रणोदन प्रणाली को और मजबूत बनाने के लिए, देश ने ट्रेन में बहुस्तरीय सुरक्षा प्रणालियां लगाई हैं जो हाइड्रोजन रिसाव, गर्मी, आग और धुएं का पता लगाने में सक्षम हैं। जिंद-सोनीपत खंड पर 75 किमी प्रति घंटे की परिचालन गति और 110 किमी प्रति घंटे की डिज़ाइन गति के साथ, यह ट्रेन न केवल सुरक्षित है बल्कि 89 किमी के इस मार्ग पर तेज भी है। वर्तमान में विश्व स्तर पर चलने वाली अधिकांश हाइड्रोजन यात्री ट्रेनों में केवल दो या तीन कोच होते हैं और ये मुख्य रूप से छोटे क्षेत्रीय मार्गों पर ही संचालित होती हैं। इसके विपरीत, भारतीय रेलवे की ट्रेन को 10 कोच वाली यात्री ट्रेन के रूप में तैयार किया गया है, जिसकी क्षमता लगभग 2,600 यात्रियों की है। यह उच्च-क्षमता वाली यात्री सेवाओं के लिए हाइड्रोजन-संचालित रेल परिवहन की अनुकूलनशीलता को प्रदर्शित करता है। हाइड्रोजन अत्यंत ज्वलनशील होती है, और इससे स्वाभाविक रूप से सबके मन में एक सवाल उठता है: क्या हजारों यात्रियों को ऐसी ट्रेन में बिठाना सुरक्षित है जो इतनी आसानी से आग पकड़ सकती है? यहां ट्रेन के काम करने के तरीके और भारतीय रेलवे द्वारा इसे सुरक्षित बनाने के लिए उठाए गए कदमों की सरल व्याख्या दी गई है।

### स्वदेशी क्षमताओं का निर्माण

भारत में ही डिजाइन, इंजीनियरिंग और एकीकृत की गई यह ट्रेन स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके विकसित की गई है, जो उन्नत रेलवे इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाती है।

देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल से चलने वाली ट्रेनसेट का विकास भारतीय रेलवे के नेतृत्व में हुआ है। रिसर्च डिज़ाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइज़ेशन (आरडीएसओ) ने तकनीकी विशिष्टताओं को तैयार किया और डिज़ाइन अनुमोदन प्रक्रिया का नेतृत्व किया। ट्रेनसेट का एकीकरण मेसर्स मेधा सर्वो ड्राइव्स द्वारा किया गया है, जबकि इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) ने ट्रेन की थीम और बाहरी डिज़ाइन में योगदान दिया है।

### हाइड्रोजन आखिर है क्या, और यह लोगों को क्यों चिंतित करता है?

सरल शब्दों में कहें तो, हाइड्रोजन रंगहीन होती है, इसलिए इसे देखा या सूंघा नहीं जा सकता, और गंधहीन होने के कारण इसकी गंध भी नहीं आती। यह स्वादहीन भी होती है। यह विषैली नहीं होती, यानी इसके पास होने से आपको कोई नुकसान नहीं होगा। लोगों को जिस बात से डर लगता है, और यह डर जायज भी है, वह यह है कि यह अत्यधिक ज्वलनशील होती है और इसे बहुत सावधानी से उपयोग करना चाहिए। चूंकि हाइड्रोजन को देखा या सूंघा नहीं जा सकता, इसलिए इस परियोजना की संपूर्ण सुरक्षा योजना एक ही लक्ष्य पर आधारित है, जो है छोटे से छोटे रिसाव का भी तुरंत पता लगाना और उसे कभी भी खतरे में न बदलने देना।

### तो सुरक्षा वास्तव में कैसे सुनिश्चित की जाती है?

इस परियोजना के हर स्तर पर सुरक्षा को समाहित किया गया है। ट्रेन और हाइड्रोजन भंडारण सिलेंडरों के डिजाइन से लेकर ईंधन भरने के बुनियादी ढांचे, निगरानी सॉफ्टवेयर और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों तक, हर चरण में सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा गया है। किसी एक सुरक्षा उपाय पर निर्भर रहने के बजाय, भारतीय रेलवे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत 'गहन सुरक्षा' के सिद्धांत को अपनाया है, जिसके तहत कई स्वतंत्र सुरक्षा प्रणालियां हाइड्रोजन भंडारण, स्थानांतरण और उपयोग के हर चरण की लगातार निगरानी, सत्यापन और सुरक्षा करती हैं।

हर जगह निगरानी की व्यवस्था है। ट्रेन और संयंत्र में ऐसे उपकरण लगे हैं जो लगातार हाइड्रोजन रिसाव, असामान्य गर्मी, आग की लपटों या धुएं पर नज़र रखते हैं, इसलिए कोई भी समस्या कुछ ही सेकंड में पकड़ में आ जाती है। इसके अलावा, निरंतर वेंटिलेशन से ट्रेन में हवा का प्रवाह बना रहता है, ताकि अगर थोड़ी सी भी हाइड्रोजन लीक हो जाए, तो वह कहीं जमा होने के बजाय सुरक्षित रूप से बाहर निकलकर खुली हवा में घुल जाए।

इसमें एक स्वचालित शट-ऑफ सिस्टम भी है। यदि कोई असामान्य स्थिति पाई जाती है, तो सिस्टम किसी व्यक्ति की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा किए बिना स्वचालित रूप से हाइड्रोजन की आपूर्ति बंद कर सकता है। लोको पायलट की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। लोको पायलट के केबिन को विशेष रूप से लोको पायलट की सुरक्षा के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें एक विशेष मोड है जो आपातस्थिति में ट्रेन को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की अनुमति देता है, और एक स्क्रीन है जो लोको पायलट को हर समय पूरे सिस्टम की वास्तविक स्थिति दिखाती है।

जिंद हाइड्रोजन संयंत्र में भी इसी तरह की सुरक्षा व्यवस्थाएं हैं, जिनमें रिसाव का पता लगाने वाले उपकरण, आग का पता लगाने वाले उपकरण, स्वचालित शटडाउन सिस्टम, आग पर काबू पाने के लिए पानी के छिड़काव और अग्नि अलार्म शामिल हैं, जो सभी मिलकर काम करते हैं।

### यात्रियों को ले जाने से पहले ट्रेन का परीक्षण किया गया

इस ट्रेन को चलाने की अनुमति मिलने से पहले, यह सुनिश्चित करने के लिए कई कठिन परीक्षणों से गुज़ारा गया कि सब कुछ ठीक से काम कर रहा है। लोड बॉक्स परीक्षण में यह जांचा गया कि विद्युत और पावर सिस्टम वास्तविक भार के तहत सही ढंग से काम करते हैं। रेडियो फ्रीक्वेंसी परीक्षणों से यह सुनिश्चित किया गया कि ट्रेन के इलेक्ट्रॉनिक्स अन्य सिग्नलिंग और संचार प्रणालियों में बाधा न डालें। दोलन परीक्षणों से यह जांचा गया कि ट्रेन बिना अत्यधिक कंपन के, गति पर सुचारू और स्थिर रूप से चलती है। आपातकालीन ब्रेक दूरी परीक्षणों से यह पुष्टि की गई कि आपातस्थिति में ट्रेन कितनी जल्दी और सुरक्षित रूप से रुक सकती है। इन सभी मूल्यांकनों, वैधानिक निरीक्षणों और स्वतंत्र सुरक्षा आकलनों को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद ही परियोजना को परिचालन के लिए तैयार माना गया।

### हाइड्रोजन ट्रेनों का भविष्य

भारतीय रेलवे जिंद-सोनीपत हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना से प्राप्त अनुभव का लाभ उठाते हुए कालका-शिमला मार्ग सहित विरासत रेलमार्गों पर हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी की तैनाती की संभावनाओं का भी पता लगा रहा है।

ये पहलें भारतीय रेलवे के एक अग्रणी पायलट प्रोजेक्ट से हाइड्रोजन-संचालित रोलिंग स्टॉक के लिए एक संरचित राष्ट्रीय कार्यक्रम में परिवर्तन का संकेत देती हैं, जो सतत गतिशीलता में भारत के नेतृत्व को मजबूत करती हैं और साथ ही राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन और देश के दीर्घकालिक नेट जीरो लक्ष्य में योगदान देती हैं।

## बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा के नेतृत्व में 21 जुलाई को तालेडा में विरोध प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल| बूंदी

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तालेड़ा के अध्यक्ष प्रेम शंकर राठौर ने बताया कि पूर्व मंत्री एवं बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा के नेतृत्व में बूंदी विधानसभा के सभी कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा 21 जुलाई 2026 मंगलवार सुबह 10:30 बजे बूंदी विधानसभा क्षेत्र के सभी स्वास्थ्य केन्द्रो पर हो रही अव्यवस्था, अघोषित बिजली कटौती और किसानों को सिंचाई के लिए नहरी पानी की अव्यवस्था और बिगड़ती कानून व्यवस्था व स्थानीय समस्याओं को लेकर उपखंड मुख्यालय पर धरना और विरोध प्रदर्शन जताएंगे। इस दौरान पूर्व मंत्री एवं बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा और पीसीसी सदस्य अर्बन बैंक चेयरमैन सत्येश शर्मा और बूंदी विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, पचायत अध्यक्ष, अग्रिम सगठनो के पदाधिकारी और बूंदी विधानसभा के समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

## अवैध खनन को लेकर जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक हुई सम्पन्न

स्मार्ट हलचल|बूंदी

नेशनल चंबल सेंचुरी में अवैध बजरी खनन और लुप्तप्राय जलीय वन्यजीवों के लिए गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक गुरूवार को जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत अब तक की गई कार्यवाही की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि अवैध खनन में प्रयुक्त होने वाले वाहनों पर विभागीय नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जावें। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षेत्र में नियमित रूप से गश्त की जावे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष प्रयास कर अवैध खनन के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जावें। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि सभी विभाग बेहतर समन्वय से कार्य करते हुए अवैध खनन के खिलाफ नियमानुसार कडी कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

इसके अलावा संबंधित उपखंड अधिकारी अपने स्तर पर भी सप्ताहिक बैठक लेकर की जा रही कार्यवाही की समीक्षा करें।बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर एचडी सिंह, डीएफओ आरवीटीआर डॉ. अरूण कुमार डी, जिला परिवहन अधिकारी सौम्या शर्मा एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहें।

## पेट्रोल पंप पर चोरों ने दो बार किया हाथ साफ

स्मार्ट हलचल

**छीपाबड़ौद।** आठ दिन के अंतराल में पेट्रोल पंप पर दिनदहाड़े दो बार हुई चोरी की घटना से पेट्रोल पंप संचालक सहित क्षेत्रीय जनता भयभीत है। पेट्रोल पंप संचालक के द्वारा जयपुर से एक्सपर्ट बुलाकर दोनों दिन हुई चोरी की घटनाओं के सीसीटीवी फुटेज पेन ड्राइव में रिकॉर्ड करवा कर आज छीपाबड़ौद पुलिस को उपलब्ध करवा दिए गए हैं। साथ ही पेट्रोल पंप संचालक ने स्थानीय प्रशासन,जिला प्रशासन से स्वयं की व पेट्रोल पंप परिसर स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।उल्लेखनीय है कि 6 जुलाई 2026 को सालपुरा रोड पर लहसुन मंडी के पास स्थिति मैसर्स गोविंद इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर अज्ञात चोरों के द्वारा दिनदहाड़े कंप्रेसर और बिजली के पलों की लगभग 120 मी. लंबाई की केबल काटकर ले गए। 11 जुलाई को पेट्रोल पंप कर्मचारियों के द्वारा पेट्रोल पंप संचालक को इस चोरी की घटना की घटना के बारे में बताया तब जाकर संचालक के कहने पर कर्मचारियों के द्वारा चोरी की घटना की रिपोर्ट स्थानीय पुलिस थाने को 11जुलाई 2026 को दी। 6 जुलाई को चोरी की घटना घटित होने और घटना की सूचना रिपोर्ट स्थानीय पुलिस को देने के बाद भी 8 दिनों तक कोई कार्यवाही/हलचल नहीं होने पर चोरों के हौसले और बुलंद हो गए। इसके परिणाम स्वरूप अज्ञात चोरों के द्वारा दोबारा दिनदहाड़े पेट्रोल पंप पर 14 जुलाई 2026 को इसी तरह की चोरी की घटना घटित कर केवल चुरा कर ले गए हैं। इस घटना की रिपोर्ट भी पेट्रोल पंप के कर्मचारियों के द्वारा स्थानीय पुलिस थाने को दी गई है। पेट्रोल पंप संचालक गोविंद सिंह यादव आवश्यक कार्य से बाहर गए हुए थे। संचालक ने पेट्रोल पंप पर चोरी की घटना का पता लगने पर पेट्रोल पंप संचालक ने छीपाबड़ौद पहुंचकर छीपाबड़ौद पुलिस थानाधिकारी से भेंट कर घटना से संबंधित विस्तृत जानकारी देते हुए अविलंब घटना का खुलासा कर आवश्यक न्यायोचित कार्यवाही करने और सुरक्षा की मांग की। थाना अधिकारी द्वारा हर एंगल को ध्यान में रखते हुए जांच कर घटना का जल्द ही खुलासा करने और सुरक्षा प्रदान करने के लिए अशास्त करने पर पेट्रोल पंप संचालक ने राहत की सांस ली है।

## श्री हिंगलाज माता मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण, शोभायात्रा निकली

स्मार्ट हलचल|बूंदी

अषाढी बीज रथयात्रा को श्री हिंगलाज माता मंदिर नव निर्माण, मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने पर सालवी समाज द्वारा हिंगलाज माता मंदिर से बालचंद पाडा में हर्षोल्लास से नाचते गाते भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सालवी समाज के सैंकड़ों महिला पुरुष सम्मिलित हुए। शोभायात्रा यात्रा में महिलाऐ पुरुष नाचते गाते हुए चल रहे हैं शोभायात्रा हिंगलाज माता मंदिर नवल सागर से नवल सागर पार्क सूरज जी के बड से बालचंद पाडा चंद्र गणेश मंदिर मालियों की हताई बैधनाथ महादेव मनसा पूर्ण गणेश मंदिर के बाहर होते हुए नवल सागर पार्क होते हुए हिंगलाज माता मंदिर पहुंचकर सम्पूर्ण हूई 19 जुलाई को गणेशजी का विदाई समारोह के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

## ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, 40 ग्राम स्मैक और मोबाइल बरामद

स्मार्ट हलचल |पलिया-खीरी

जनपद में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पलिया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को 40 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर (स्मैक) के साथ गिरफ्तार किया है। बरामदगी के आधार पर दोनों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी पलिया के मार्गदर्शन तथा प्रभारी निरीक्षक शिवा जी दुबे पलिया के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार, गुरुवार तड़के करीब 2:40 बजे एडमांटेन स्कूल से आगे साईं मंदिर के पूर्व स्थित खाली प्लॉट के पास से दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से कुल 40 ग्राम ब्राउन शुगर (स्मैक), दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा 350 रुपये नकद बरामद हुए।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान संजय उर्फ मक्खन (30 वर्ष) निवासी मोहल्ला रंगरेजान द्वितीय, थाना पलिया तथा राकेश कुमार उर्फ राका (28 वर्ष) निवासी बाजार प्रथम, कस्बा एवं थाना पलिया के रूप में हुई है। संजय के पास से 15 ग्राम स्मैक, एक एंड्रॉयड मोबाइल और 200 रुपये, जबकि राकेश के पास से 25 ग्राम स्मैक, एक रेडमी मोबाइल और 150 रुपये बरामद किए गए।

पुलिस ने दोनों आरोपितों के विरुद्ध मु.अ.सं. 205/2026 के तहत धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, दोनों आरोपित पहले भी विभिन्न मामलों में जेल जा चुके हैं। संजय पर पहले से एनडीपीएस एक्ट के दो मुकदमे दर्ज हैं, जबकि राकेश के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के दो और एनडीपीएस एक्ट का एक मुकदमा दर्ज है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक रामजीत यादव, उपनिरीक्षक निशा शुक्ला, हेड कांस्टेबल अनुज कुमार, जयप्रकाश यादव, कांस्टेबल अतुल त्रिपाठी, सुनील कुमार रावत, रविकांत एवं रामभूल वर्मा शामिल रहे।

### चाकू-बाजी की झूठी घटना का खुलासा

## फरियादी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर रची थी चाकू बाजी की झूठी घटना

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी भवानी मंडी पुलिस ने चाकू बाजी की एक झूठी वारदात का पर्दाफाश करते हुए झूठी कहानी करने के आरोप में 6 6 दोस्त गिरफ्तार किया

झालावाड़ जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने पूरी घटना की जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 07 जुलाई को फरियादी साजिद पुत्र हसीम उम्र 19 साल जाति मुसलमान निवासी सुकेट जिला कोटा ने उप थाना हाजर बताया कि बीते कल दिनांक 6 जुलाई करीब रात को 10-11 बजे नारायण खेड़ा रोड पर पेट्रोल पम्प के पास किराने की दुकान पर तीनों दोस्त रुक कर हमने उस दुकान से 20 रुपये के खाने के लिए सेव नमकीन खरीदी तो मैंने व मेरे दोस्त अली व शेख एक अज्ञात व्यक्ति ने पीछे से मेरे पीठ पर मारा जिससे मेरे खून निकल आया। तो मेरे दोस्त मोटरसाइकिल से सरकारी अस्पताल लाए। इस पर प्रकरण दर्ज किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के निर्देशन में थाना अधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्य एकत्रित करने पर चाकू-बाजी की झूठी वारदात का खुलासा हुआ।

प्रकरण हाजर के फरियादी साजिद सहित चाकू की झूठी घटना का षडयंत्र रचने वाले 05 अन्य दोस्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई।

गिरफ्तार विवरणः

साजिद पुत्र हसीम भाई, उम्र 19 साल, अली हुसैन पुत्र छन्नू भाई, उम्र 21 साल, शेरखान पुत्र अजफल, उम्र 26 साल, शेख मुराद उर्फ शेखु पुत्र अब्दुल इस्लाम, अल्फेज पुत्र कल्लू खान, उम्र 21 साल, अमन पुत्र आसिफ, उम्र 19 साल, निवासी सुकेट जिला कोटा

टीमः प्रमोद कुमार पु.नि., दिपेन्द्र सिंह उ.नि., वीरेन्द्र सिंह उ.नि., जयदीप सिंह उ.नि., तेजेन्द्र सिंह कांस्टेबल 1379, महेश कांस्टेबल 1380

# महिला कांग्रेस ने 'चलो दिल्ली संसद घेराव' अभियान को लेकर भरी हुंकार

## जिलाध्यक्ष यशोदा नरेंद्र पुरोहित की अध्यक्षता में संगठनात्मक बैठक सम्पन्न, 21 जुलाई को दिल्ली कूच के लिए पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा एवं राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कार्यालय, चित्तौड़गढ़ में महिला कांग्रेस की जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष यशोदा नरेंद्र पुरोहित की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिले की सह प्रभारी डॉ. हिमानी नंदवाना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

बैठक में बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने, महिला कांग्रेस के संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान को गति देने, महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने तथा रिक्त पदों पर नियुक्तियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। महिला पदाधिकारियों ने आगामी दिनों में संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर महिला आरक्षण को लेकर भी जोरदार आवाज बुलंद की गई। कार्यकर्ताओं ने 'महिला आरक्षण लागू करो - आज करो, अभी करो' तथा 'ओबीसी महिलाओं को आरक्षण में शामिल करो' के नारों के साथ हस्ताक्षर अभियान चलाते हुए समर्थन स्वरूप बैनर पर हस्ताक्षर किए। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में उनका संवैधानिक और सामाजिक अधिकार मिलना चाहिए। बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी 21 जुलाई को आयोजित 'चलो दिल्ली - संसद घेराव' अभियान को सफल बनाना रहा। जिलाध्यक्ष यशोदा नरेंद्र पुरोहित ने जिले के सभी नगर एवं ब्लॉक अध्यक्षों से अधिकाधिक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए विभिन्न पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी पंद्रह दिनों के भीतर सभी नगर एवं ब्लॉक इकाइयां अपनी-अपनी कार्यकारिणी गठित कर जिला कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें।

महिला कांग्रेस की इस महत्वपूर्ण बैठक में नगर अध्यक्ष सुनीता पारख (निंबाहेड़ा), रेणु कंवर राठौड़ (चित्तौड़गढ़), लीला देवी माली (कपासन), भामिनी शर्मा (बड़ीसादड़ी), ज्योति कंवर (रावतभाटा), नानीबाई रेगर (बेगूं) तथा ब्लॉक अध्यक्ष अनुसुइया मीणा (निंबाहेड़ा), सुनीता गुर्जर (बड़ीसादड़ी), गायत्री चौधरी (चित्तौड़गढ़), कलाबाई गुर्जर (गंगरार-पारसोली ब्लॉक), कन्याबाई धाकड़ (बेगूं-रावतभाटा ब्लॉक) उपस्थित रहीं। इसके अलावा जिला उपाध्यक्ष कन्या देवी सोनी, जमीला बेन बोहरा, शांता बक्शी, पुष्पा कुमावत, संतोष धाकड़, मीनाक्षी जैन एवं रामकन्या, जिला महासचिव ममता शर्मा, इन्द्रा प्रजापत, सुनीता छिपा, कलिका जैन, सुमन कुमावत, सुशीला रेगर, वंदना जैन एवं ममता त्रिपाठी, जिला सचिव मधु गोस्वामी, गायत्री शर्मा, गीता सुथार, नर्मदा जंगम, दुर्गा जटिया, विमला जारोली एवं अनिता नंदवाना, जिला सदस्य शबनम बी, फूला बाई एवं जमना, तथा निवर्तमान पार्षद कुसुमलता मीणा सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक का सफल संचालन जिला महासचिव आशा दमामी ने किया। अंत में उपस्थित महिलाओं ने महिला आरक्षण, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तिकरण की लड़ाई को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाने तथा 21 जुलाई के दिल्ली संसद घेराव अभियान को ऐतिहासिक सफलता दिलाने का सामूहिक संकल्प लिया।

## उदयपुर और सलूंबर के सरकारी स्कूलों को 25 प्रतिशत कंपोजिट ग्रांट जारी

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

समग्र शिक्षा द्वारा उदयपुर एवं सलूंबर जिले के राजकीय विद्यालयों को 25 प्रतिशत कंपोजिट स्कूल ग्रांट राशि आहरित करने की स्वीकृति आज जारी कर दी गई ।

समग्र शिक्षा उदयपुर के एडीपीसी कुंज बिहारी भारद्वाज के अनुसार राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के निर्देशानुसार गुरुवार को उदयपुर जिले में माध्यमिक शिक्षा के 713 विद्यालयों को 11258750 रुपए तथा सलूंबर जिले के माध्यमिक शिक्षा के 202 विद्यालयो को 3390000 रुपए तथा इसी प्रकार से उदयपुर जिले में प्रारंभिक शिक्षा के 2602 विद्यालयों को 15621250 रुपए एवं सलूंबर जिले के प्रारंभिक शिक्षा के 969 विद्यालयों को 5276250 रुपए आहरित करने की स्वीकृति के लिए संबंधित ब्लॉक अधिकारियों को आदेशित किया गया है,ब्लॉक कार्यालयों द्वारा संबंधित विद्यालयों को आहरण स्वीकृति भी आज ही जारी कर दी गई है। इस बीच राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद से बुधवार रात जारी निर्देशानुसार विद्यालय स्तर पर इस मद से संबंधित लंबित व्यय बिलो का भुगतान एसएनए पोर्टल के माध्यम से 17 जुलाई 2026 तक किया जा सकेगा।

# गगवाना के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्यापकों की कमी के चलते विद्यार्थियों सहित ग्रामीणों ने विद्यालय के गेट पर जड़ा ताला

## सूचना पर शिक्षा विभाग में लगाया नया स्टाफ

स्मार्ट हलचल

**महुवा।** विधानसभा क्षेत्रके गगवाना गांव में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को ग्रामीणजन एवं विद्यार्थियों ने अध्यापकों की कमी के चलते स्कूल के मेन गेट पर ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया है द्य इसके बाद सूचना पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने तत्काल पांच अध्यापकों को शिक्षण व्यव-स्थार्थ विद्यालय में लगाकर ग्रामीणों को समझाकर विद्यालय का ताला खुलवाया।

प्राप्त जानकारी अनुसार इस विद्यालय में करीब दो सौ विद्यार्थी अध्यनरत हैं वही विद्यालय सेकेंडरी से उच्च माध्यमिक में गत वर्ष ही क्रमोन्नति हुआ है जिसके चलते अध्यापकों की कमी चल रही है द्य वही नवीन स्थानांतरणो में भी विद्यालय में अध्यापक नहीं आए हैं जिसके चलते अभिभावक एवं विद्यार्थियों में खासा रोष व्याप्त है और उन्होंने गुरुवार सुबह स्कूल खुलने से पहले ही स्कूल के मेंन गेट पर ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया है।

पूर्व सरपंच अशोक मीणा ने बताया कि यह स्कूल माध्यमिक से उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नति हुआ है और उसके बाद से ही व्याख्याता और सेकंड ग्रेड के अध्यापकों के पद रिक्त चल रहे हैं द्य जिसके चलते पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है और हमारे बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है।

ऐसे में जब तक स्थानीय अधिकारी या जनप्रतिनिधि लिखित में आश्वासन नहीं देते तब तक टेंट लगाकर स्कूल के मेन गेट पर प्रदर्शन जारी रहेगा ।

वहीं ग्रामीण राहुल मीणा ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गगवाना में अध्यापकों की कमी से पूर्व में शिक्षा विभाग के अधिकारी को अवगत कराया जा चुका है लेकिन फिलहाल स्थानांतरण के दौरान भी इस विद्यालय में अध्यापक नहीं लगाए गए जिसके चलते अभिभावकों में रोष व्याप्त है।

वहीं स्कूल के प्रधानाचार्य भरतलाल ने बताया कि गुरुवार को सुबह जैसे ही स्टाफ स्कूल पहुंचा ग्रामीणों ने विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला लगा दिया था हमने तालाबंदी की सूचना जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक दौसा सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दूरभाष पर दी है द्य जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए अशोक कुमार शर्मा जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक दौसा द्वारा लखन लाल अंगिरा वरिष्ठ अध्यापक अंग्रेजी, हरिओम गुर्जर कनिष्ठ सहायक व लक्ष्मण मीणा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बैजुपाड़ा द्वारा जलधारी मीणा व्याख्याता भूगोल, सतवीर सिंह गुर्जर अध्यापक लेवल 2, राम सिंह अध्यापक लेवल 1 को अग्रिम आदेश तक शिक्षण व्यवस्थार्थ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गगवाना में अध्यापन कार्य के लिए लगाया गया है जिस पर ग्रामीणों ने विद्यालय का ताला खोल दिया।

# राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन ने टोंक जिले की 7 नगरपालिकाओं में नगर अध्यक्ष किए नियुक्त

**नगरीय निकाय चुनावों से पहले संगठन विस्तार तेज- जल्द होगी देवली व दूनी में भी नियुक्ति**

स्मार्ट हलचल

**टोंक।** आगामी नगरीय निकाय चुनावों को देखते हुए कांग्रेस पार्टी के विभाग राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन, जिला टोंक ने संगठन को ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। संगठन द्वारा जिले की सात नगरपालिका क्षेत्रों में नगर अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है।

जिलाध्यक्ष डॉ. नरेश मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनील पंवार, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार तथा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सीबी यादव की पूर्वानुमति से प्रदेश संगठन महासचिव केशव तिवारी ने इन नियुक्तियों को स्वीकृति प्रदान की। जहां निवाई नगरीय शहरी अध्यक्ष सुमेर सिंह राजावत, पीपलू में प्रकाश चौधरी, डिग्गी में सुरेश चंद सैनी, मालपुरा में असगर अली नकवी, लांबाहरिसिंह में अमित कुमार पाटनी, टोडारायसिंह में गणेश लाल साहू तथा उनियारा नगर अध्यक्ष पद पर जुनैद अहमद को नियुक्त किया गया हैं। जिलाध्यक्ष डॉ. नरेश मीणा ने सभी नवनियुक्त नगर अध्यक्षों को शीघ्र नगर कार्यकारिणी का गठन कर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि देवली एवं दूनी नगरपालिका क्षेत्रों में भी जल्द नगर अध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी, ताकि जिलेभर में सर्वोदय और स्वराज की भावना पर आधारित कांग्रेस की विचारधारा को गांव-गांव और शहर-शहर तक सशक्त रूप से पहुंचाया जा सके।

# राजकीय कन्या महाविद्यालय दूनी में 17 जुलाई से ऑफलाइन प्रवेश

स्मार्ट हलचल

**टोंक/दूनी।** राजकीय कन्या महाविद्यालय दूनी में शुक्रवार, 17 जुलाई से ऑफलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होगी। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा विभाग, जयपुर के निर्देशानुसार पूर्व में निर्धारित अवधि के दौरान ऑनलाइन आवेदन से वंचित रह गई छात्राओं को अब प्रवेश का एक और अवसर प्रदान किया गया है।

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्रवेश नोडल अधिकारी डॉ. गजेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि ऑफलाइन प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि 30 जुलाई निर्धारित की गई है। इच्छुक छात्राएं महाविद्यालय में उपस्थित होकर कॉमन एडमिशन फॉर्म भरें तथा आवश्यक दस्तावेज एवं निर्धारित प्रवेश शुल्क जमा कर ऑन-द-स्पॉट एडमिशन प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि पात्र छात्राएं अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते प्रवेश प्रक्रिया पूरी करें, ताकि उच्च शिक्षा का यह महत्वपूर्ण अवसर हाथ से न निकल जाए। महाविद्यालय प्रशासन ने सभी इच्छुक छात्राओं से निर्धारित समयावधि के भीतर आवेदन कर प्रवेश सुनिश्चित करने की अपील की है।

# बाज़ार बंद को मिला व्यापक जनसमर्थन-पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी का आमरण अनशन सातवें दिन भी जारी

**सिकोइडीकोन संस्था द्वारा हड़पी गई राजस्थान महिला सेवा सहकारी समिति के पीड़ितों की जमा राशि लौटाने की मांग तेज-व्यापार मंडल ने बंद रखे प्रतिष्ठान-विभिन्न संगठनों ने जताया समर्थन**

स्मार्ट हलचल

**टोंक/जयपुर।** जयपुर ग्रामीण के चाकसू तहसील मुख्यालय स्थित अंबेडकर सर्किल पर राज-स्थान महिला सेवा सहकारी समिति के पीड़ित परिवारों की जमा राशि सिकोइडीकोन संस्था एनजीओ से वापस दिलाने की मांग को लेकर पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी के नेतृत्व में चल रहा आमरण अनशन गुरुवार को सातवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन को स्थानीय व्यापार मंडल एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों का व्यापक समर्थन मिला।

आंदोलन के समर्थन में चाकसू व्यापार मंडल ने बाज़ार बंद का आह्वान किया, जिसका व्यापारियों ने समर्थन करते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। अनशन स्थल पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर आंदोलन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त कर रहे हैं।

रेल लाओ संघर्ष समिति टोंक के अध्यक्ष अकबर खान भी लगातार आमरण अनशन में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी उन महिलाओं और परिवारों के न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत की कमाई सिकोइडीकोन संस्था चाकसू जयपुर में जमा कराई थी। उन्होंने कहा कि आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक पीड़ितों को न्याय नहीं मिल जाता। इस दौरान किसान महापंचायत के युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद चौधरी ने भी अनशन स्थल पर पहुंचकर आंदोलन का समर्थन किया और अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने विश्वास जताया कि पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की लड़ाई अंततः सफल होगी।

# दो सामाजिक संस्थाओं को मिली 20 लाख रुपये की सौगात

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ विधायक चन्द्रभानसिंह आक्या द्वारा सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के विकास के लिए दो महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की स्वीकृति दिए जाने पर क्षेत्रवासियों ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

विधायक आक्या ने श्री देवनारायण भगवान सार्वजनिक न्यास में निर्माण कार्य के लिए 10 लाख रुपये तथा समस्त ब्राह्मण समाज विकास सेवा संस्थान में निर्माण कार्य के लिए 10 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। दोनों कार्यों के लिए यूआईटी द्वारा टेंडर प्रक्रिया पूरी कर कार्यादेश भी जारी कर दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार विधायक आक्या द्वारा क्षेत्र में अब तक विभिन्न विकास कार्यों के तहत 10 महत्वपूर्ण कार्य स्वीकृत कराए जा चुके हैं। दोनों निर्माण कार्यों के कार्यादेश जारी होने पर स्थानीय नागरिकों एवं समाजजनों ने विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर छोटूसिंह शेखावत, शंकरलाल कीर, नारायणलाल, काशीराम, मनोहरलाल शर्मा, रामबक्श कीर, ओमप्रकाश जोशी, लक्ष्मण कीर, कन्हैयालाल, देवीलाल गुर्जर, प्रफुल्ल त्रिवेदी, प्रभुलाल शर्मा, मदनलाल शर्मा, गोपाल शर्मा, किशन शर्मा, विजयप्रकाश पंचोली, देवेन्द्रपाल सिंह, कानालाल, गोपीलाल, सुरेश कीर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# जलशक्ति मंत्रालय की मिनिरत्न कंपनी एनपीसीसी के डायरेक्टर बने महेश नुवाल

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जलशक्ति मंत्रालय के अधीन भारत सरकार की मिनिरत्न कंपनी नेशनल प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन में महेश नुवाल को डायरेक्टर नियुक्त किए जाने पर भीलवाड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों में हर्ष का माहौल है। उनकी नियुक्ति को जल संसाधन, आधारभूत संरचना विकास और सार्वजनिक परियोजनाओं के क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव एवं नेतृत्व क्षमता का सम्मान माना जा रहा है।

महेश नवहाल वर्तमान में जलधारा विकास संस्थान के अध्यक्ष के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनके डायरेक्टर बनने की सूचना मिलते ही सामाजिक, औद्योगिक एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे भीलवाड़ा के लिए गौरव का विषय बताया। शुभचिंतकों ने कहा कि जलशक्ति मंत्रालय के अधीन कार्यरत मिनिरत्न कंपनी एनपीसीसी देशभर में पेयजल, सिंचाई, भवन, सड़क, पुल तथा अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान में महेश नवहाल की नियुक्ति से उनके अनुभव का लाभ राष्ट्रीय स्तर की विकास परियोजनाओं को मिलेगा।

विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने महेश नवहाल को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महेश नुवाल के नेतृत्व में विकास कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता को नई दिशा मिलेगी तथा देश में जल संसाधन एवं अधोसंरचना विकास को और मजबूती मिलेगी।

# जोधपुरः राजस्थान हाईकोर्ट का आया अनूठा आदेश, खुली जेल में सजेगा मंडप, 2 उम्रकैदी करेंगे विवाह

स्मार्ट हलचल | जोधपुर

राजस्थान हाईकोर्ट के एक अनूठे आदेश के बाद जोधपुर के मंडोर स्थित ओपन एयर कैंप (खुली जेल) में जल्द ही एक उम्रकैद की सजा पाया जोड़ा सात फेरे लेगा। पति की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रही महिला बंदी, हत्या के ही एक अन्य दोषी पुरुष बंदी से विवाह करेगी। अदालत ने कहा कि दो बालिगों का आपसी सहमति से विवाह करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का हिस्सा है। इससे दोषियों के पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा में लौटने की प्रक्रिया भी मजबूत होती है। न्यायाधीश डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और न्यायाधीश प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने नागौर निवासी मूलाराम की अस्थायी सजा निलंबन याचिका का निस्तारण करते हुए यह आदेश दिया। मूलाराम 16 फरवरी 2017 से आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और वर्तमान में मंडोर ओपन एयर कैंप में रह रहा है। उसकी ओर से अधिवक्ता कालूराम भाटी ने बताया कि वह सीमा गड़से गुलाब से विवाह करना चाहता है। सीमा भी अपने पति की हत्या के मामले में दोषसिद्ध है और फिलहाल 40 दिन की पैरोल पर है। याचिका में कहा गया कि विवाह से दोनों के पुनर्वास और सुधार की प्रक्रिया को बल मिलेगा तथा वे भविष्य में सामान्य पारिवारिक जीवन जी सकेंगे। इसके समर्थन में राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व निर्णय का हवाला दिया, जिसमें बंदियों के वैवाहिक और संतानोत्पत्ति संबंधी अधिकारों को अनुच्छेद-21 के दायरे में माना गया था।

# कलक्टर ने गोशाला में किया पौधरोपण

**चित्तौड़गढ़।** जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने गुरुवार को अनगढ़ बावजी स्थल स्थित प्रस्तावित गोशाला का दौरा कर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत बिलपत्र का पौधरोपण किया। जिला कलक्टर ने प्रस्तावित गोशाला संचालित व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की तथा गौ संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर जिला कलक्टर ने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है तथा जनभागीदारी से ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। तत्पश्चात जिला कलक्टर ने अनगढ़ बावजी के दर्शन किए। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रतनलाल गाडरी, श्री सांवलिया जी मंदिर मंडल के अध्यक्ष जानकीदास वैष्णव, उपखंड अधिकारी रजनी मीणा, तहसीलदार शिव सिंह शेखावत, नायब तहसीलदार शिव शंकर पारीक सहित जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

# भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी की कोशिश नाकाम, 525 पैकेट तंबाकू के साथ 8 नेपाली महिलाएं पकड़ी गईं

स्मार्ट हलचल

पुलिस के अनुसार, भारत-नेपाल

भारत-नेपाल सीमा पर अवैध तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गौरीफंटा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान नेपाल की आठ महिलाओं को 525 पैकेट प्रतिबंधित 'सुपर पावर' तंबाकू के साथ गिरफ्तार किया। बरामद तंबाकू की अनुमानित कीमत करीब 47,250 आंकी गई है।

सीमा पर संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम के लिए नियमित चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान ककरहिया से मोहन नदी घाट जाने वाले कच्चे मार्ग पर पुलिस टीम ने कुछ महिलाओं को संदिग्ध परिस्थितियों में आते देखा। तलाशी लेने पर उनके अलग-अलग पिट्ठुओं से कुल 525 पैकेट 'सुपर पावर' तंबाकू बरामद हुआ।

पूछताछ में सभी महिलाएं नेपाल के जिला कैलाली की निवासी पाई गईं। पुलिस ने बरामद तंबाकू को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई के लिए कस्टम विभाग को सौंप दिया है। मामले में तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। गौरीफंटा पुलिस का कहना है कि भारत-नेपाल सीमा पर अवैध तस्करी रोकने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा और सीमा पार से होने वाली गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# 12 अगस्त को निकलेगी युवा क्षत्रिय लोधा समाज की शौर्य शोभायात्रा

**हरियाली अमावस्या पर आयोजित होगी शोभायात्रा, समाजजनों से अधिकाधिक सहभागिता का आह्वान**

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

युवा क्षत्रिय लोधा समाज, चित्तौड़गढ़ की बैठक गुरुवार को सेंती स्थित पंचवटी कार्यालय में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिव लोधा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में समाज के संगठनात्मक विषयों पर चर्चा के साथ आगामी शौर्य शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 12 अगस्त को हरियाली अमावस्या के अवसर पर भव्य शौर्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। समाज के पदाधिकारियों ने शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसंपर्क एवं समाजजनों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

बैठक में शोभायात्रा की रूपरेखा, आयोजन व्यवस्था तथा विभिन्न जिम्मेदारियों के संबंध में भी चर्चा की गई। समाज के वरिष्ठजनों ने युवाओं से सामाजिक एकता, संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर युवा जिलाध्यक्ष राजकुमार लोधा, उपाध्यक्ष रतन लोधा, पूर्व सचिव रामलाल लोधा, पूर्व उपाध्यक्ष कालू लोधा, सह सचिव दुर्गेश लोधा, संगठन मंत्री जसराज लोधा, मीडिया प्रभारी शिवप्रकाश लोधा, नारू लोधा, फूलचंद, देवीलाल, दिनेश सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

# ऊटी की कोटा जनजाति के व्यक्ति ने लगाया 16 साल तक आर्थिक और जातीय उत्पीड़न का आरोप, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग पहुंचा मामला

**तमिलनाडु की विशेष रूप से कमजोर जनजाति के सदस्य ने कहा- मेहनताना, कमीशन और विकास कार्यों के 47.60 लाख रुपये नहीं मिले, जातिसूचक अपमान और धमकी भी दी गई**

स्मार्ट हलचल

**ऊटी (नीलगिरि)/नई दिल्ली।** तमिलनाडु के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल ऊटी (नीलगिरि) की कोटा जनजाति, जिसे राज्य की विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह में शामिल किया गया है, के एक सदस्य ने 16 वर्षों तक आर्थिक शोषण और जातीय उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का दरवाजा खटखटाया है। आयोग ने शिकायत स्वीकार करते हुए डायरी नंबर 73078/IN/2026 जारी कर मामले को दर्ज कर लिया है। शिकायतकर्ता आर. दामोदरन ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2009 से 2025 तक उन्होंने एक निजी व्यक्ति की नीलगिरि जिले के बंदीशोलाई और मेट्टुपालयम क्षेत्र स्थित भूमि और संपत्तियों की देखरेख, विकास तथा बिक्री संबंधी कार्य पूरी निष्ठा से किए। इसके बदले उन्हें प्रतिमाह मानदेय, विकास कार्यों का खर्च और भूमि बिक्री पर कमीशन देने का वादा किया गया था, लेकिन वर्षों तक काम लेने के बाद भी भुगतान नहीं किया गया।

### 16 वर्षों तक सेवा, फिर भी नहीं मिला मेहनताना

शिकायत के अनुसार दामोदरन ने अपनी निजी पूंजी लगाकर भूमि विकास, रखरखाव और अन्य कार्य कराए। भुगतान नहीं मिलने के कारण उन्हें लगातार उधार लेना पड़ा और वे भारी कर्ज में डूब गए। उन्होंने दावा किया है कि विकास कार्यों पर लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद उन्हें न

तो निर्धारित मानदेय मिला और न ही कमीशन का भुगतान किया गया।

### 47.60 लाख रुपये की बकाया राशि का दावा

शिकायत पत्र में 16 वर्षों का मानदेय, भूमि बिक्री का कमीशन, विकास कार्यों पर किया गया खर्च और यात्रा व्यय सहित कुल 47.60 लाख रुपये बकाया होने का दावा किया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्होंने कई बार भुगतान की मांग की, लेकिन हर बार उन्हें टाल दिया गया।

### जातिसूचक अपमान और जान से मारने की धमकी का आरोप

दामोदरन ने आयोग को बताया कि जब उन्होंने अपने बकाया की मांग की तो उन्हें उनकी जनजातीय पहचान को लेकर कथित रूप से अपमानित किया गया। आरोप है कि आरोपी ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उनकी सामाजिक पहचान का मजाक उड़ाया और जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत में कहा गया है कि इन घटनाओं के कारण वे लंबे समय तक भय के माहौल में रहे और तत्काल पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करा सके।

### सेवा से हटाया, संपर्क भी तोड़ दिया

शिकायतकर्ता का आरोप है कि लगातार भुगतान मांगने के बाद उन्हें देखरेख की जिम्मेदारी से हटा दिया गया और संपत्तियों की जिम्मेदारी किसी अन्य व्यक्ति को सौंप दी गई। इसके बाद आरोपी ने उनसे संपर्क भी समाप्त कर दिया।

### आयोग से एससी/एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग

पीड़ित ने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग से अनुरोध किया है कि मामले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने, निष्पक्ष जांच कराने तथा आर्थिक शोषण और जातीय उत्पीड़न के आरोपों पर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएं।

### जनजातीय अधिकारों पर फिर उठे सवाल

यह मामला केवल एक व्यक्ति की शिकायत तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि इससे यह प्रश्न भी उठ रहा है कि दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले कमजोर जनजातीय समुदायों के लोगों को यदि लंबे समय तक आर्थिक और सामाजिक शोषण का सामना करना पड़े, तो उन्हें समय पर न्याय और कानूनी सहायता कैसे उपलब्ध कराई जाए।

# श्रृंग ऋषि जयंती पर प्रतिभावान विद्यार्थियों का होगा सम्मान

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

महर्षि श्रृंग शिक्षा एवं शोध संस्थान, चित्तौड़गढ़ द्वारा श्रृंग ऋषि जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन इस वर्ष भी किया जाएगा। समारोह में सुखवाल समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।

शोध संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण पुरोहित ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं अधिस्नातक परीक्षाओं में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।

संस्थान के कोषाध्यक्ष सोहनलाल पांडिया ने बताया कि पात्र छात्र-छात्राओं को अपनी अंकतालिका की छायाप्रति 25 जुलाई तक निर्धारित स्थान मीरानगर स्थित राज मीटर रिपेयर्स अथवा लक्ष्मीनाथ मंदिर के पास स्थित बजरंग फ्लोर मिल पर अनिवार्य रूप से जमा करानी होगी।

# जगन्नाथ महायात्रा : आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव

ललित गर्ग

**वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं।**

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे ह्यमहायात्राह्ण कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है।

यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी

दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है।

पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है। धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है। आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो।

दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो। यही कारण है कि जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मविशुद्धि, लोकमंगल, समरसता, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और धार्मिक विभाजनों से गुजर रहा है, तब भगवान जगन्नाथ की यह महायात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विवाद नहीं, बल्कि संवाद है। वर्चस्व नहीं, बल्कि समन्वय है और बाहरी आडम्बर नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता है। यही इस महायात्रा का सनातन संदेश है कि जीवन का रथ तभी सही दिशा में चलता है जब उसमें श्रद्धा, सेवा, समरसता, आत्मसंयम और लोककल्याण के पहिए समान गति से चलते रहें। यही जगन्नाथ महायात्रा की शाश्वत महिमा है और यही इसकी वैश्विक प्रासंगिकता।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

## संपादकीय

### पैसे के पीर टीटीई

सही मायने में कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रेनों में टीटीई के उस सर्वमान्य भ्रष्ट आचरण को सार्वजनिक रूप से उजागर किया है, जिसे रेलयात्री कीमत चुकाने के बाद भी कहने में संकोच करते हैं। यात्रियों से खचाखच भरी ट्रेनों में अक्सर मुश्किल से सफर करने वाले यात्री खाली पड़ी बर्थ अलॉट करा लेते हैं। जिसके एवज में उन्हें टीटीई को किराये के अलावा अतिरिक्त पैसा भी देना पड़ता है। यह चलन देशभर में विभिन्न ट्रेनों में दिखायी देता है। लेकिन अक्सर यात्री अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचकर बात को आई-गई मान लेते हैं। लेकिन जब पैसे देकर अपराधियों को दी गई बर्थ के जरिये चलती ट्रेन में कोई बड़ा अपराध हो जाए तो मामला गंभीर हो जाता है। दरअसल, जस्टिस राजशेखर मंथा व जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की बेंच साल 2009 में तीस्ता-तोरस एक्सप्रेस में हुई लूट और मौत के मामले में दो दोषियों की अपील पर सुनवाई कर रही थी। उस दौरान कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि टीटीई खाली बर्थ ऐसे बेचते हैं,जैसे बाजार में सब्जियां बिकती हैं। ऐसे में अपराधी खाली बर्थ खरीदकर आरक्षित कोच तक पहुंच बना लेते हैं। वे फिर यात्रियों के साथ घुल-मिलकर उन्हें लूट लेते हैं। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि पैसे लेकर जनरल टिकट वाले यात्रियों को खाली बर्थ देने से अपराधियों को आरक्षित कोच के यात्रियों तक पहुंचने का मौका मिल जाता है। तीस्ता व तोरस केस में भी जो आपराधिक घटना हुई है, उसमें कई टीटीई ने अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से नही निभायी। दरअसल, सत्रह साल पुराने केस में जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रही तीस्ता-तोरसा एक्सप्रेस में जनरल टिकट पर सफर कर रहे दो बदमाशों ने टीटीई को पैसे देकर एस-8 कोच में खाली बर्थ ले ली थी। फिर इन्होंने खाने-पीने की चीजों में नशीला पदार्थ मिलाकर कुछ यात्रियों को बेहोश कर दिया और उनका सामान लूट लिया। घटना में जहरीले पदार्थ से सुनील कुमार दास की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा लंबे समय अस्पताल में उपचार के बाद बच गया था। दरअसल, इस मामले में दोनों आरोपियों को दोषी पाया गया, लेकिन पुलिस द्वारा पर्याप्त साक्ष्य न जुटाए जाने के कारण सात साल की जेल के बाद कोर्ट को उन्हें रिहा करना पड़ा। कोर्ट ने टीटीई ही नहीं, पुलिस को भी लापरवाह माना क्योंकि मृतक का विसरा फॉरेंसिक जांच को नहीं भेजा गया। दूसरे यात्री के अस्पताल में उपचार के रिकॉर्ड भी नहीं जुटाए गए। फलतः हत्या के आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। इस घटनाक्रम के बाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले की कॉपी पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक समेत देशभर के रेलवे अधिकारियों को भेजने को कहा।

## चिंतन-मनन

### कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए।

अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

# सोनम वांगचुक का लंबा अनशन अब जीवन पर भारी

कांतिलाल मांडोत

**विपक्ष की राजनीति से ऊपर उठकर स्वास्थ्य बचाने का समय अनशन नहीं समाधान चाहिए वांगचुक को जीवन बचाकर लोकतांत्रिक संघर्ष का नया रास्ता चुनना चाहिए**

दिल्ली के जंतर मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातार जारी है। अनशन के सत्रहवें दिन तक पहुंचते पहुंचते उनका स्वास्थ्य चिंताजनक स्थिति में बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार उनका वजन लगभग साढ़े आठ किलोग्राम कम हो चुका है और लगातार कमजोरी बढ़ रही है। चिकित्सकीय दृष्टि से यह स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए गंभीर मानी जाती है। लंबे समय तक भोजन से दूर रहने का असर केवल शरीर के वजन पर ही नहीं पड़ता बल्कि हृदय गुर्दे मांसपेशियों और मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक मांग से अधिक एक इंसान के जीवन की होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक देश के जाने माने शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। शिक्षा पर्यावरण और लद्दाख जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्होंने वर्षों तक काम किया है। ऐसे व्यक्ति की आवाज लोकतंत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध का तरीका स्वयं के जीवन के लिए खतरा बनने लगे तब उस पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है।

अनशन भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा का एक पुराना और प्रभावी माध्यम रहा है। महात्मा गांधी से लेकर अनेक सामाजिक नेताओं ने इसका उपयोग नैतिक दबाव बनाने के लिए किया। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जब किसी अनशनकारी का स्वास्थ्य लगातार गिरने लगता है तब आंदोलन की दिशा बदलना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य जीवन की रक्षा करते हुए समाज और व्यवस्था में परिवर्तन लाना होता है न कि स्वयं को ऐसी स्थिति में पहुंचा देना जहां जीवन ही संकट में पड़ जाए। वर्तमान समय में सोनम वांगचुक के समर्थन में कई विपक्षी नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने बयान दिए हैं। उनसे अनशन समाप्त करने की अपील भी की गई है। दूसरी ओर सरकार पर संवेदनहीन होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में यह भी दिखाई देता है कि राजनीतिक दल अपने अपने दृष्टिकोण से इस मुद्दे को प्रस्तुत कर रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार को घेरने का अवसर तलाश रहा है।

यही वह बिंदु है जहां सबसे अधिक सावधानी की आवश्यकता है। किसी भी राजनीतिक दल का प्राथमिक उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना होता है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर राजनीतिक बयान केवल अनशनकारी के स्वास्थ्य की चिंता से प्रेरित है। विपक्ष सरकार पर हमला कर रहा है और सरकार अपने स्तर पर जवाब दे रही है। लेकिन इस राजनीतिक संघर्ष के बीच सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी का हो सकता है तो वह स्वयं सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य है।

वास्तविकता यह है कि यदि उनकी तबीयत और अधिक बिगड़ती है तो सबसे बड़ी कीमत उन्हें और उनके परिवार को चुकानी पड़ेगी। राजनीतिक दल अपने अपने एजेंडे के साथ आगे बढ़ जाएंगे लेकिन एक सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य और जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता। इसलिए यह समय भावनात्मक निर्णयों से अधिक व्यावहारिक सोच का है।

लंबे समय तक भूखे रहने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता तेजी से कम होती है। मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। रक्तचाप और शुगर का संतुलन बिगड़ सकता है। हृदय की धड़कन पर भी असर पड़ सकता है। यदि समय रहते चिकित्सा और पोषण नहीं मिले तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए डॉक्टर भी आमतौर पर लंबे आमरण अनशन को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण मानते हैं।

सोनम वांगचुक यदि अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखना चाहते हैं तो उसके अनेक लोकतांत्रिक विकल्प उपलब्ध हैं। जनसभाएं की जा सकती हैं। देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा सकता है। अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित किया जा सकता है। संसद सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन जुटाया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों के माध्यम से भी व्यापक जनमत तैयार किया जा सकता है। इन सभी तरीकों से आंदोलन जीवित रहेगा और नेतृत्व भी सुरक्षित रहेगा। इस पूरे मामले में यदि कॉकरोच जनता पार्टी और आंदोलन से जुड़े अन्य लोग वास्तव में वांगचुक के शुभचिंतक हैं तो उन्हें भी हस्तक्षेप करना चाहिए। किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि आंदोलन का चेहरा ही गंभीर बीमारी का शिकार हो जाए तो आंदोलन की दिशा भी प्रभावित होती है। इसलिए पार्टी और सहयोगियों को उन्हें सम्मानपूर्वक अनशन समाप्त करने के लिए तैयार करना चाहिए और संघर्ष की नई रणनीति बनानी चाहिए।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। यदि किसी मुद्दे पर व्यापक असंतोष दिखाई दे रहा है तो सरकार को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। इससे तनाव कम होगा और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की है। किसी भी विचारधारा से मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सोनम वांगचुक का संघर्ष अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन उनका जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है।

इसलिए समय की मांग यही है कि सोनम वांगचुक अपना आमरण अनशन समाप्त करें और लोकतांत्रिक संघर्ष का कोई दूसरा प्रभावी मार्ग चुनें। इससे उनकी बात भी मजबूत होगी और उनका स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। आंदोलन तभी सफल माना जाएगा जब उसका नेतृत्व स्वस्थ रहकर समाज के लिए आगे भी काम करता रहे। जीवन रहेगा तभी संघर्ष भी जारी रहेगा और बदलाव की संभावना भी बनी रहेगी।

# राम के मंदिर में पारदर्शिता की अग्निपरीक्षा

कुमार कृष्णन

अयोध्या का श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की आस्था, पांच शताब्दियों से अधिक लंबे संघर्ष, सामाजिक आंदोलनों और सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद साकार हुए राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। देश के कोने-कोने से लोगों ने अपनी श्रद्धा के अनुसार इस मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। किसी ने सौ रुपये दिए, किसी ने अपनी जीवन भर की बचत, तो किसी ने सोना-चांदी और बहुमूल्य धातुएं अर्पित कीं। इसलिए राम मंदिर से जुड़ा हर प्रश्न केवल एक ट्रस्ट या संस्थान का प्रश्न नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास का प्रश्न है। यही कारण है कि मंदिर के चढ़ावे और दान में कथित अनियमितताओं का मामला जब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा, तो इसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में दाखिल जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जवाब मांगा है। साथ ही उत्तर प्रदेश की विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच की स्थिति रिपोर्ट भी तलब की गई है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि भी निर्धारित कर दी है। न्यायालय का यह कदम किसी को दोषी ठहराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरोपों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो तथा सत्य सामने आए। लोकतंत्र में न्यायपालिका की यही भूमिका है–विश्वास बनाए रखना और कानून के शासन को मजबूत करना।याचिकाओं में आरोप लगाए गए हैं कि मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। कुछ कर्मचारियों पर चढ़ावे में कथित गबन, दान कक्ष की चाबियां अनधिकृत लोगों के पास रहने और वित्तीय प्रक्रियाओं में लापरवाही जैसे आरोप लगाए गए हैं। विश्व सिंधी सेवा संगम ने भी वर्ष 2021 में मंदिर को दान की गई लगभग दो सौ किलोग्राम चांदी की ईंटों का विधिवत रसीद नहीं मिलने और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ओर ट्रस्ट ने भी कुछ कर्मचारियों से जुड़ी पहचान निरस्त करने और दर्शन व्यवस्था में बदलाव जैसे कदम उठाए हैं। इन सबके बीच एसआईटी की जांच और न्यायालय की प्रक्रिया ही अंतिम सत्य का आधार बनेगी।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी आरोप हैं, फैसला नहीं। न्यायालय ने केवल जवाब मांगा है, किसी को दोषी घोषित नहीं किया है। इसलिए मीडिया, राजनीति और समाज–तीनों की जिम्मेदारी है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें। किसी को पहले से दोषी ठहराना भी अनुचित है और बिना जांच के हर आरोप को साजिश बताकर खारिज कर देना भी उतना ही गलत है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण ने एक बड़ा सवाल अवश्य खड़ा किया है। क्या भारत की बड़ी धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय पारदर्शिता की व्यवस्था पर्याप्त है? मंदिरों, गुरुद्वारों, मठों, दरगाहों और अन्य धार्मिक संस्थानों में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का दान आता है। यह धन किसी कर के रूप में नहीं आता, बल्कि लोगों की आस्था का प्रतीक होता है। इसलिए उसका प्रबंधन भी उसी स्तर की पवित्रता और पारदर्शिता से होना चाहिए। देश के कुछ प्रमुख धार्मिक संस्थानों ने आधुनिक वित्तीय प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल लेखा प्रणाली, ऑनलाइन दान, सीसीटीवी निगरानी, नियमित ऑडिट और सार्वजनिक आय-व्यय विवरण जैसी व्यवस्थाएं धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। लेकिन अनेक स्थानों पर अब भी पारंपरिक व्यवस्था, सीमित निगरानी और अपर्याप्त जवाबदेही बनी हुई है। जब संस्थाओं का आकार और दान की मात्रा बढ़ जाती है, तब केवल परंपरा के भरोसे व्यवस्था नहीं चल सकती। आधुनिक प्रबंधन और पारदर्शिता को स्वीकार करना समय की आवश्यकता है।

दुर्भाग्य यह है कि भारत में धार्मिक संस्थाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठते ही बहस का स्वरूप बदल जाता है। लोग तुरंत इसे धर्म बनाम अधर्म या आस्था बनाम षड्यंत्र की बहस बना देते हैं। जबकि वास्तविक प्रश्न केवल इतना है कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन सुरक्षित है या नहीं और उसका उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुसार हो रहा है या नहीं। यह प्रश्न किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि धर्म की गरिमा के पक्ष में है।

आस्था कभी भी पारदर्शिता से कमजोर नहीं होती। बल्कि पारदर्शिता आस्था को और मजबूत करती है। यदि किसी संस्था का लेखा-जोखा साफ है, उसकी प्रक्रियाएं स्पष्ट हैं और उसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक जांच की कसौटी पर खरी उतरती है, तो उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ती है। जो संस्था स्वयं को जनता के प्रति जवाबदेह मानती है, उसके प्रति विश्वास भी अधिक गहरा होता है।

राम का पूरा जीवन सत्य, मयार्दा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है। राम ने सत्ता को अधिकार नहीं, दायित्व माना। उन्होंने राजा होकर भी स्वयं को लोकमत और नैतिकता से ऊपर नहीं रखा। रामराज्य की अवधारणा केवल समृद्धि की नहीं, बल्कि न्याय, समानता और पारदर्शी शासन की अवधारणा है। यदि राम के नाम पर बने सबसे बड़े मंदिर में भी पारदर्शिता की मांग उठती है, तो उसे राम के आदर्शों के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन्हीं के अनुरूप समझा जाना चाहिए।

यह विवाद एक अवसर भी हो सकता है। यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच होती है और उसके आधार पर देश के सभी बड़े धार्मिक ट्रस्टों के लिए आधुनिक वित्तीय मानक तय किए जाते हैं, तो इससे धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और मजबूत होगी। हर बड़े धार्मिक ट्रस्ट के लिए स्वतंत्र वार्षिक ऑडिट, ऑनलाइन आय-व्यय विवरण, डिजिटल इन्वेंट्री, सीसीटीवी आधारित निगरानी, दान की वस्तुओं का वैज्ञानिक अभिलेखीकरण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करना अनिवार्य बनाया जा सकता है। इससे न केवल विवाद कम होंगे, बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी बढ़ेगा।

राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर संयम बरतना चाहिए। राम मंदिर किसी दल की राजनीतिक संपत्ति नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का केंद्र है। इसलिए इस मामले को राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। न्यायालय को अपना काम करने देना चाहिए और जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के तथ्य सामने लाने चाहिए।

लोककवि कैलाश गौतम की चर्चित कविता गान्ही जी की एक पंक्ति यहां अनायास याद आती है– तोहरै नाव बिकत हो सगरो...। यह पंक्ति केवल गांधी पर नहीं, बल्कि उन सभी परिस्थितियों पर लागू होती है, जहां महापुरुषों के नाम का सम्मान तो किया जाता है, लेकिन उनके मूल्यों की उपेक्षा होती है। यही बात राम पर भी लागू होती है। यदि राम के नाम पर मंदिर बने और उसी मंदिर में पारदर्शिता पर प्रश्न उठें, तो सबसे पहले चिंता उन्हीं लोगों को होनी चाहिए, जो राम को मयार्दा पुरुषोत्तम मानते हैं।

# दुनिया के इन जादुई झरनों को देखकर बन जाएगा आपका दिन, छूमंतर होगा सारा स्ट्रेस

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है। बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वहीं इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है।

पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

### एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक-बारीक बूंदों में बदल जाता है।

### टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

### थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम %थ्री सिस्टर्स% पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

### ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फ बोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

### युंबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे-धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।

# श्रीनगर सिर्फ एक शहर नहीं, एक ऐसा अनुभव जो आपकी रूह को छू जाए!

भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। हरे-भरे बाग़, बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, शांत झीलें और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत श्रीनगर को न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और झीलों का शहर

श्रीनगर की सबसे प्रसिद्ध पहचान डल झील है। इसमें हाउसबोट पर रहने का अनुभव जीवन भर याद रहता है। शिकारा की सवारी करते हुए झील के शांत पानी पर तैरते बाजार, कमल के फूल और आसपास के हिमालयी नज़ारे किसी स्वप्न से कम नहीं लगते। नगीन झील भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शांति और एकांत की तलाश में होते हैं।

बाग-बग़ीचों की सौगात

मुग़ल बादशाहों ने श्रीनगर में कई खूबसूरत बाग़ बनवाए, जिनमें प्रमुख हैं:

शालीमार बाग़

निशात बाग़

चश्म-ए-शाही

ये बाग़ झेलम नदी के किनारे स्थित हैं और यहाँ से झील व पर्वतों का दृश्य अत्यंत मनोरम दिखाई देता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल

श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें और मंदिर हैं। इनमें प्रमुख हैं:

हज़रतबल दरगाह- जहाँ पैगंबर मोहम्मद का एक पवित्र अवशेष रखा गया है।

शंकराचार्य मंदिर- जो एक पहाड़ी पर स्थित है और वहाँ से श्रीनगर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

जामा मस्जिद- पुरानी कश्मीर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण।

स्थानीय बाज़ार और हस्तशिल्प

श्रीनगर के बाज़ारों में कश्मीरी कालीन, पश्मीना शॉल, लकड़ी की नक़्क़ाशी और कागज़ी माछे की कला खरीदने लायक होती है। लाल चौक, बादशाह चौक और रेजिडेंसी रोड मुख्य शॉपिंग स्थान हैं।

खानपान की विशेषता - कश्मीरी व्यंजन विश्वविख्यात हैं। रोगनजोश, यखनी, दुम

आलू, और गुस्ताबा जैसे व्यंजन स्वादिष्ट और मसालेदार होते हैं। चाय प्रेमियों को कहवा ज़रूर आज़माना चाहिए - यह केसर और सूखे मेवों से बना एक पारंपरिक पेय है।

पर्यटन के लिए उपयुक्त समय

श्रीनगर जाने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है। बर्फबारी का आनंद लेना हो तो दिसंबर से फरवरी का समय उपयुक्त है।

श्रीनगर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है- जहाँ हर मोड़ पर प्रकृति, संस्कृति और शांति एक साथ मिलती हैं। यदि आप प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और मेहमाननवाज़ी का मिश्रण चाहते हैं, तो श्रीनगर आपकी अगली यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

# मांडू पर्यटन: प्रेम, वास्तुकला और इतिहास की अद्भुत नगरी

मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ या शादीशुदा पत्थरों का शहर भी कहा जाता है, भारतीय पर्यटन मानचित्र पर एक अनूठा और ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ियों पर बसा यह नगर न केवल स्थापत्य कला और प्राचीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि रानी रूपमती और बाज बहादुर की अमर प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर है। मांडू की हवाओं में इतिहास की गूंज, प्रेम की सरगम और स्थापत्य का सौंदर्य साथ-साथ बहता है।

### मांडू का ऐतिहासिक परिचय

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति— विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे— इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

### मांडू के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1.जहाज़ महल

यह महल दो झीलों— कपूर तालाब और मुंज तालाब— के बीच स्थित है, जिससे यह एक जहाज़ की तरह प्रतीत होता है। इसका निर्माण 15वीं सदी में सुल्तान ग़ियासुद्दीन खिलजी ने अपनी 15,000 रानियों के लिए करवाया था। रात्रि में इसका प्रतिबिंब जल में झलकता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

2.हिंदोला महल

हिंदोला (झूला) महल अपनी झुकी हुई दीवारों के कारण प्रसिद्ध है। इसका उपयोग दरबारी सभाओं के लिए किया जाता था। इसकी स्थापत्य शैली वास्तुकला के चमत्कारों में गिनी जाती है।

3.रूपमती महल

यह वह स्थान है जहाँ से रानी रूपमती नर्मदा नदी को निहारती थीं। यह प्रेम कहानी का सबसे भावनात्मक स्थल है, जहाँ से मांडू की घाटी और नर्मदा के दर्शन होते हैं।

4.बाज बहादुर महल

यह महल मांडू के अंतिम स्वतंत्र शासक बाज बहादुर का निवास था। इसकी वास्तुकला में राजपूत और मुस्लिम शैलियों का संगम देखने को मिलता है।

5.जामा मस्जिद

यह मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद से प्रेरित है और मांडू के स्थापत्य वैभव को दर्शाती है। इसके विशाल प्रांगण और सुंदर मेहराबें इसकी विशेषता हैं।

6.रेवा कुंड

यह पवित्र कुंड नर्मदा नदी को समर्पित है और माना जाता है कि रूपमती इसी से जल ग्रहण करती थीं।

### मांडू उत्सव

प्रत्येक वर्ष दिसंबर-जनवरी के महीने में मांडू उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय लोक-संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शन, साइकिल टूर और हॉट एयर बलून जैसी गतिविधियाँ होती हैं। यह उत्सव मांडू को जीवंत रूप देता है।

### कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा: इंदौर (लगभग 100 किमी)

रेलवे स्टेशन: इंदौर और रतलाम दोनों से सड़क मार्ग उपलब्ध

सड़क मार्ग: इंदौर, धार और महेश्वर से मांडू के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिलती हैं

### ठहरने की व्यवस्था

मांडू में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल और कुछ निजी रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच रुकना अपने आप में एक अद्वितीय अनुभव होता है।

### यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच मांडू घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। खासकर मानसून के बाद (जुलाई-सितंबर) मांडू की हरियाली और झीलें इसे और भी सुंदर बना देती हैं।

मांडू केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, बल्कि एक जीवित कथा है— प्रेम, कला और संस्कृति की। यहाँ की हवाएं रूपमती के सुरों को, दीवारें बाज बहादुर के प्रेम को और झीलें बीते समय की परछाइयों को संजोए हुए हैं। यदि आप एक शांत, सुंदर और ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मांडू अवश्य आपकी सूची में होना चाहिए।

# मानसून में इन जगहों पर पास से महसूस कर पाएंगे प्रकृति की खूबसूरती

मानसून का मौसम आते ही बारिश की बूंदे पर धरती पर पड़ती हैं, तो प्रकृति अपनी खूबसूरती के चरम पर पहुंच जाती है। बारिश के मौसम में भारत के कुछ स्थलों पर अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। हरे-भरे जंगल, पहाड़ों से गिरते झरने, घनघोर बादलों से ढकी घाटियां और ठंडी हवाएं मन को सुकून देने का काम करती हैं। बारिश आपको प्रकृति से जुड़ने का मौका देती है। इस मौसम में घूमना और प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करना आपको एक अलग एक्सपीरियंस दे सकता है।

इस मानसून में आप एक छोटा सा ब्रेक लेकर भीगती वादियों की सैर पर निकल जाएं। फिर चाहे वह फैमिली आउटिंग, सोलो एडवेंचर या रोमांटिक ट्रिप हो। भारत की कुछ जगहें मानसून में आपके अनुभव को यागदार बना देंगी। ऐसे में अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो भारत की इन जगहों को आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

### महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की खूबसूरती मानसून में देखने लायक होती है। यहां के हरे-भरे पहाड़, शानदार घाटियां और स्ट्रॉबेरी फार्म काफी लोकप्रिय हैं। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते हुए झरने इस जगह की सुंदरता को बढ़ा देते हैं। आप यहां पर वेन्ना लेक, आर्थर सीट और प्रतापगढ़ किला घूम सकते हैं।

### लोनावला-खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थिति लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत नजर आता है। यह जगह मानसून में हरियाली से ढक जाता है। झरने, ट्रेकिंग और खूबसूरत घाटियों के लिए यह मौसम बेस्ट है। अगर आप खंडाला और लोनावला घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो कुछ जगहें आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप यहां पर टाइगर पॉइंट, भुशी डैम और राजमाची किले को एक्सप्लोर करें।

### अलेप्पी, केरल

अगर आप भी मानसून में बैकवॉटर का अनुभव और हाउसबोट की अनोखी सैर करना चाहते हैं, तो आपको केरल के अलेप्पी की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। बारिश की फुहारों के साथ शांत जल में हाउस बोट पर तैरते रहना आपको एक अलौकिक अनुभव देगा।

### मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार चाय के बागानों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बारिश में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी हो जाती है और यह काफी खूबसूरत नजर आती है। यहां पर बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में मुन्नार एक फोटो परफेक्ट हिल स्टेशन बन जाता है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

### चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक मेघालय का चेरापूंजी है। यहां पर मानसून में सबसे ज्यादा बारिश होती है। लेकिन मानसून में चेरापूंजी का आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। यहां पर झरने, बारिश और लिविंग रूटब्रिज इस जगह को खास बनाती हैं। अगर आप मानसून में चेरापूंजी की यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको सेवन सिस्टर्स फॉल्स और नोक्रेक बायोस्फीयर रिजर्व जरूरे एक्सप्लोर करना चाहिए।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com